A Daily News Magazine
इंदौर
शनिवार, 06 सितंबर, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 327, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

सियासी परिवार में झगड़े : इतिहास से कोई सबक लेंगी के. कविता ?

डीके सिंह

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से के. कविता ने बुधवार को इस्तीफा दे दिया। यह कदम उन्होंने उस समय उठाया जब एक दिन पहले ही उनके पिता और पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने उन्हें एंटी-पार्टी गतिविधियों के लिए निलंबित कर दिया था।

रुखसती के वक्त कविता ने अपने चचेरे भाइयों और पार्टी नेताओं हरीश राव और संतोष जोगिनापल्ली पर और जोरदार हमला बोला। आरोप लगाया कि उन्होंने कलेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना में गड़बड़ियों के जरिए केसीआर पर भ्रष्टाचार का दाग लगाया। ऊपरी तौर पर यह एक पारिवारिक विवाद दिखता है, जहां एक बहन अपने चचेरे भाइयों के खिलाफ खड़ी थी, जो पिता के करीब थे।

पार्टी अनुशासन बनाए रखने के लिए पिता को बेटी को जाने देना पड़ा, क्योंकि उसने भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर पार्टी नेतृत्व को ही कठघरे में खड़ा कर दिया था। हालांकि, कविता ने अपने पिता या भाई के.टी. रामाराव (केटीआर) को दोष नहीं दिया।

इस पूरे विवाद की शुरुआत मई में 'लीक' हुए लेटर बम से हुई थी, जिसमें कविता ने अपने पिता पर भाजपा के प्रति नरमी बरतने का आरोप लगाया था। तभी से केसीआर और केटीआर चुप्पी साधे हुए हैं। जब कविता ने खुलकर बयान दिए और कहा कि उनके खिलाफ साज़िश हो रही है, तब भी पिता या भाई ने उनसे बातचीत कर मामले को शांत करने की कोशिश नहीं की। पिछले महीने उन्होंने इस रिपोर्टर से कहा था कि वह अपने भाई की कलाई पर राखी बांधने का सोच रही थीं, लेकिन उसी दिन केटीआर शहर से बाहर चले गए।

कविता प्रकरण में कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैं। अगर बेटी को चचेरे भाइयों से दिक्कत थी और वह खुद को साजिश का शिकार मान रही थी, तो केसीआर ने उनसे बात क्यों नहीं की? वह चिट्ठी उनकी मां के हाथों पिता तक पहुंची थी, लेकिन लीक किसने की? केटीआर ने अपनी छोटी बहन से संवाद क्यों तोड़ लिया? हरीश राव लंबे समय से केसीआर की राजनीतिक विरासत के मजबूत दावेदार माने जाते रहे हैं। ऐसे में केटीआर को अपनी बहन का साथ देना चाहिए था, जब वह हरीश पर निशाना साध रही थीं।

दिलचस्प है कि पिछले साल मई में हरीश ने खुद कहा था कि वह केटीआर को पार्टी प्रमुख बनाए जाने का स्वागत करेंगे। यानी उन्होंने विरासत की दावेदारी छोड़ने का संकेत दिया था। तो फिर क्या वजह थी कि तीनों भाई एक साथ हो गए? क्या कविता ने विरासत की लड़ाई शुरू कर दी थी? 2014 लोकसभा चुनाव में जब केसीआर ने उन्हें चुनाव लड़ने को कहा था, तब उन्होंने साफ कर दिया था कि केटीआर ही उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी होंगे। उस वक्त कविता को इस पर कोई आपत्ति नहीं थी। क्या अचानक कुछ बदल गया?

बीआरएस से बाहर आने के बाद कविता का राजनीतिक भविष्य अनिश्चित हो गया है. अगर राजनीतिक दलों के पहले परिवारों में हुए झगड़ों के इतिहास को देखें, तो हालात उनके खिलाफ नज़र आते हैं। परिवार के मुखिया को चुनौती देने के बाद राजनीति में टिक पाना और आगे बढ़ पाना बहुत कम लोगों के लिए संभव हुआ है।

हालांकि, इसके अपवाद भी हैं, जैसे समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, जिन्होंने अपने पिता, दिवंगत मुलायम सिंह यादव, के खिलाफ बगावत करके पार्टी पर कब्ज़ा किया था। उस समय मुलायम ने अपने भाई शिवपाल यादव का साथ दिया था, न कि बेटे का।

परिवार-आधारित पार्टियों में लड़ाइयां होती भारतीय समाज की पितृसत्तात्मक व्यवस्था को दर्शाती हैं। पहला, परिवार या पार्टी के मुखिया (चाहे पिता हों या मां) का चुनाव हमेशा अंतिम होता है, भले ही कोई भाई या बहन बेहतर क्यों न हो। मुखिया ने जिसे चुन लिया, वही वारिस है। दूसरा, अगर मुकाबला भाई और बहन के बीच है, तो जीत हमेशा भाई की होती है। उदाहरण के लिए अगर आपको लगता हो कि प्रियंका गांधी वाड्रा में ज़्यादा क्षमता है, तो भी उन्हें भाई राहुल के पीछे ही रहना होगा, क्योंकि मां सोनिया यही चाहती हैं।

इसी तरह, भले ही कोई मान ले कि कविता केटीआर से बेहतर हैं, हालांकि, ज़्यादातर लोग ऐसा नहीं मानते, तो भी केसीआर बेटे केटीआर का ही समर्थन करेंगे और जनता को इसे स्वीकार करना होगा, लेकिन अगर मुकाबला भाई/बहन और चचेरे भाई या चाचा के बीच हो, तो भाई/बहन ही आगे रहते हैं।

कई राजनीतिक वंशों में परिवार के बुजुर्ग नेता ने यह सुनिश्चित किया कि उनके चुने गए उत्तराधिकारी को आगे चलकर कोई समस्या न हो। मुलायम सिंह यादव को इस संदर्भ में शामिल न करें। द्रमुक प्रमुख करुणानिधि ने एम. के. स्टालिन को एम.के. अलागिरी पर तरजीह दी; जनता दल (सेक्युलर) के एच.डी. देवेगौड़ा ने एच.डी. कुमारस्वामी को अपने भाई एच.डी. रेवन्ना पर चुना और शिवसेना के बाल ठाकरे ने अपने भतीजे राज ठाकरे के बजाय बेटे उद्धव ठाकरे को उत्तराधिकारी बनाया।

जहां परिवार के मुखिया ने औपचारिक रूप से या सार्वजनिक रूप से उत्तराधिकारी घोषित नहीं किया, वहां उत्तराधिकार की लड़ाई खराब रही। उदाहरण लें केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल का, जो अपने पिता और अपना दल के संस्थापक सोने लाल पटेल की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद नेता के रूप में उभरीं। उनका परिवार तभी से बंटा हुआ है। उनकी मां कृष्णा और बहन पल्लवी ने अलग होकर अपना दल (कमेरावादी) बना लिया।

अब अगर के. कविता के मामले पर लौटें तो यह कुछ वैसा ही दिखता है जैसा 2009 में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई. एस. राजशेखर रेड्डी की मौत के बाद उनके परिवार में हुआ। उन्होंने अपने बेटे जगन मोहन को लोकसभा भेजकर लगभग अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था। उनकी बेटी शर्मिला शुरू में बड़े भाई का साथ देती नज़र आईं, जब उन्हें जेल भेजा गया, लेकिन जैसे ही वह मुख्यमंत्री बने, उन्होंने खुद को उपेक्षित महसूस किया। अंततः उन्होंने अपने भाई की पार्टी (YSRCP) और परिवार दोनों को छोड़ दिया। आज वह आंध्र प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष हैं।

इन पारिवारिक झगड़ों से जुड़े अनुभव के. कविता के लिए उत्साहजनक नहीं हैं। उन्होंने अपने भाई या पिता के खिलाफ एक शब्द नहीं कहा है और बल्कि यह जताया है कि परिवार को तोड़ने और बीआरएस पर कब्ज़ा करने की कोशिश करने वाले साज़िशकर्ताओं से सतर्क रहना चाहिए।

लेकिन यह मान लेना भोला होगा कि उनके चचेरे भाइयों ने ही उन्हें बीआरएस से बाहर करने पर मजबूर किया और उनके पिता (बीआरएस प्रमुख) और भाई (पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष) बेबस होकर देखते रहे। इतिहास में उनके लिए कई सबक छिपे हैं।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

दुश्मन परमाणु हथियारों से लैस

हमें तैयार रहना होगा

- सीडीएस बोले-देश के लिए विचारधारा जरूरी, जैसे शरीर में खून
- अनिल चौहान ने कहा- पड़ोसियों के साथ सीमा विवाद बड़ी चुनौती

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर (यूपी) में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा- भूमि राष्ट्र की भौतिक पहचान है। राष्ट्र की विचारधारा की सुरक्षा भी जरूरी है। एक राष्ट्र के संचालन के लिए विचारधारा उतनी ही जरूरी है, जितना शरीर के लिए खून। यह प्रशासनिक ढांचे को मजबूती देती है। जनरल चौहान ने कहा- दुश्मन परमाणु हथियारों से लैस है। सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनौती है। आजादी के बाद से सीमा विवाद को लेकर कई लड़ाइयां हुईं। चीन के साथ सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनौती है। फिर क्षेत्रीय अस्थिरता। शुक्रवार को जनरल चौहान गोरखनाथ मंदिर में आयोजित 'भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां' विषय पर आयोजित सेमिनार पहुंचे थे। वहां पर उन्होंने ये बातें कहीं।

- **नभ, जल, थल की तरह ही अब साइबर स्पेस में चुनौतियां**- इस समय रोबोटिक्स का ट्रेंड नजर आता है। इसका इस्तेमाल तेजी से हो रहा है। भविष्य में यह तकनीक उपयोग में आ सकती है। आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। ऐसे ही आतंकवाद और व्यापार साथ-साथ नहीं चलेगा। ये नए नॉर्म है। इसे देखते हुए तीनों सेनाओं को नए तरीके अपनाने होंगे। ऑपरेशन सिंदूर ऑफिशियल रूप से टर्मिनेट नहीं किया गया है। हमें हथियारों की रीच बढ़ानी होगी। नभ, जल, थल की तरह ही अब साइबर स्पेस में चुनौतियां होंगी। स्पेस में सर्विलांस का ध्यान रखना होगा। यह करने के लिए अपनी क्षमताओं को बढ़ाना होगा। एयर डिफेंस में और ज्यादा मजबूत बनना पड़ेगा। सुदर्शन चक्र मिशन की चर्चा प्रधानमंत्री कर चुके हैं।

सीडीएस ने कहा-युद्ध राजनीति का ही विस्तार है

जर्मन विद्वान ने कहा था कि युद्ध राजनीति का ही विस्तार है। इसके गहरे निष्कर्ष हैं। युद्ध और अंतरराष्ट्रीय राजनीति को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। जब किसी भी देश की सरकार इस स्थिति में पहुंचती है कि सैन्य इस्तेमाल की जरूरत है तो सैन्य अधिकारी को आगे के लिए रणनीति बुलाया जाता है। बालाकोट ऑपरेशन के बाद भारत ने लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार और पाकिस्तान ने एयर डिफेंस की जरूरत पर काम किया।

दंतेवाड़ा-नारायणपुर बॉर्डर पर 5-6 नक्सली मारे जाने की खबर

- अबूझमाड़ के जंगलों में रुक-रुककर हो रही फायरिंग, नक्सलियों को घेरा

दंतेवाड़ा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले की सीमा पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। एनकाउंटर में 5 से 6 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। पूर्वी बस्तर डिवीजन में अबूझमाड़ के घने जंगलों में रुक-रुककर फायरिंग चल रही है। जानकारी के मुताबिक, सुरक्षाबलों की ओर से दंतेवाड़ा और नारायणपुर की डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड टीम संयुक्त अभियान पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों ने अटैक कर दिया। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने नक्सलियों को मार गिराया। मुठभेड़ की पुष्टि दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने की है। इसके पहले 28 अगस्त को छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 4 नक्सलियों को मार गिराया था। मौके से बड़ी तादाद में हथियार बरामद किए गए थे। बॉर्डर इलाके में तलाशी चल रही है।

- **शाह की डेडलाइन, 2026 तक करेंगे नक्सलवाद का खात्मा**- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर आए थे। वे यहां अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग मंचों से नक्सलियों को चेताते हुए कहा था कि हथियार डाल दें। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे। वहीं उन्होंने एक डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं।

सीएम सिद्धारमैया ने राष्ट्रपति से पूछा-आपको कन्नड़ आती है

- मुर्मू बोलीं-हर भाषा-परंपरा से प्यार
- बीजेपी का सख्त सवाल-सोनिया से पूछने की हिम्मत है

मैसूरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मैसूर में 1 सितंबर को अखिल भारतीय वाणी एवं श्रवण संस्थान का गोल्डन जुबली समारोह था। मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू थीं। कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया भी मौजूद थे। वे पहले स्पीच देने गए। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति से सवाल पूछ लिया। उन्होंने कहा- क्या आपको कन्नड़ आती है, मैं कन्नड़ में बात करता हूं। सिद्धारमैया की स्पीच के बाद द्रौपदी मुर्मू भाषण देने आईं। उन्होंने सिद्धारमैया को जवाब देते कहा- मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहूंगी कि कन्नड़ भले ही मेरी मातृभाषा नहीं हैं, लेकिन यह कर्नाटक की भाषा है। मुझे भारत की हर भाषा, संस्कृति और परंपरा से प्यार है। मैं उनका सम्मान करती हूं। राष्ट्रपति ने आगे कहा, सब अपनी भाषा को जीवित रखिए। अपनी संस्कृति और परंपरा को जिंदा रखिए। मैं इसके लिए शुभकामनाएं देती हूं। मैं कन्नड़ भाषा धीरे-धीरे सीखने का कोशिश करूंगी। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद बीजेपी ने इसे राष्ट्रपति का अपमान बताया।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह

सामाजिक चुनौतियों के समाधान के लिए शिक्षक आगे आयें : राज्यपाल श्री पटेल

ज्ञान का दान सेवा भी है और समर्पण भी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिक्षक दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। साथ ही शासकीय विद्यालयों में कक्षा एक से 8 तक के 55 लाख विद्यार्थियों के खातों में शाला गणवेश की 330 करोड़ की राशि अंतरित की। आर.सी.व्ही.पी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शैक्षणिक संवर्ग के सहायक शिक्षक, उच्च श्रेणी तथा नवीन शैक्षणिक संवर्ग के प्राथमिक शिक्षक एवं माध्यमिक शिक्षकों को क्रमोन्नत योजना प्रभावशील होने से चतुर्थ समयमान वेतनमान के लाभ के समरूप चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान का लाभ दिये जाने की घोषणा की।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा है कि समय की जरूरत है कि सामाजिक चुनौतियों के समाधान के लिए शिक्षक आगे आयें और परिवार एवं समाज का मार्गदर्शन करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विकसित भारत 2047 के लक्ष्य पर कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने युवाओं के साथ विवेकानंद जयंती पर संवाद कर इस दिशा में पहल की है। गुरूजन के सम्मान और गुरू शिष्य परम्परा की महत्ता भारत की गौरवशाली संस्कृति की धरोहर है। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण युग की गुरू शिष्य परम्परा से प्रेरणा लेकर बच्चों को संस्कारित करना होगा।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि देश और समाज के निर्माता शिक्षक होते हैं, वह भावी पीढ़ी को संस्कार, ज्ञान और कौशल प्रदान करते हैं। व्यक्तित्व का विकास और चरित्र निर्माण करते हैं। भावी जीवन की सफलताओं के लिए तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार का भाव सारे जीवन बना रहे, इसके लिए शिक्षकों और पालकों को आगे आना होगा। उन्होंने आधुनिक समाज में बच्चों की आत्म हत्या की बढ़ती चुनौती के प्रति चिंता व्यक्त की। श्री पटेल ने कहा कि समारोह का आयोजन राष्ट्र निर्माता शिक्षकों के देश, समाज के निर्माण में उनके समर्पण और निष्ठा के प्रति देशवासियों का आभार प्रदर्शन है। शिक्षा वह शक्ति और साधन है जो राष्ट्र को ज्ञान, कौशल और जीवन के मूल्यों से संस्कारित करती है। राष्ट्र को सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए सक्षम बनाती है।

राज्यपाल श्री पटेल ने गर्व के साथ कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को नया आयाम प्रदान किया है। उन्होंने देश की स्थानीय, वैश्विक जरूरतों और भारत को दुनिया की ज्ञान की महाशक्ति बनाने के लिए दूरगामी छात्र केंद्रित राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार कराई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति संभवतः आजादी के बाद शिक्षा के क्षेत्र में सबसे अभिनव प्रयास और राष्ट्र की जन भावनाओं का जीवंत दस्तावेज है। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में राज्य के प्रथम नागरिक के रूप में राज्यपाल ने सभी शिक्षकों का अभिनंदन किया और सम्मानित शिक्षकों को बधाई दी। राष्ट्र के स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानी, भारतीय संस्कृति के प्रबल पोषक, चिंतक और संवाहक डॉ. राधाकृष्णन की जयंती पर नमन भी किया।

एक लाख 50 हजार शिक्षकों को मिलेगा चतुर्थ समयमान वेतनमान : सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा की प्रदेश के शैक्षणिक संवर्ग के सहायक शिक्षक, उच्च शिक्षक, नवीन शैक्षणिक संवर्ग के प्राथमिक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षकों को चतुर्थ समयमान वेतनमान दिया जाएगा। इससे प्रदेश के 1 लाख 50 हजार शिक्षक लाभान्वित होंगे। इसके लिए जल्द ही कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाएगा। सभी पात्र शिक्षकों को चौथे वेतनमान की सौगात वित्त वर्ष 2025-26 से मिलेगी। इससे सरकार पर करीब 117 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय भार आएगा।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

चिड़ियों ने कहा
मुझे तैरना है
धूप की तेज तपिश
पंखों में बांधकर,
नदियों से लेकर नीले समंदर तक।
मछलियों ने कहा
हमे उड़ना है,
हवाओं के साथ
ऊँचे आसमान तक,
बादलों के गले लगकर
देनी है आंसुओं की पोटली
जो नदियों ने भेजी है।
यह सब ख्वाहिशों की
दबी ढकी बातें
छुपती कहां है?
निठल्ले अकर्मण्य समाज
ने यह सुना
तो सुनते ही हरकत में आ गया
नये नियम
नए कानून पारित होने लगे
मछलियों और परिंदों
कि हदों को खुरचकर
किया गया और गहरा।
चिड़ियों से कहा गया
बेशक तुम नदियों को
चूम सकती हो,
मगर पंख रख आने होंगे बादलो के कोने पर।
मछलियों से कहा
तुम उड़ो आसमान में
सुनाओ बादलों को अपनी
रुमानियत के किस्से,
और जब थक जाएंगे ये बादल
तुम्हे ढोते हुए,
तुम वापस न आना
कर देना खुद को अर्पित
सूरज के हवन कुंड में।।
क्योंकि नदियों की
दो जोड़ी आंखें,
बदल चुकी होंगी
हज़ार आंखों में
जो घृणा से अस्वीकृत कर देंगी तुम्हे....

- सबाहत आफ़रीन

भोपाल का तापमान

अधिकतम 35 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 06 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

काशी और मथुरा पर बातचीत के लिए तैयार मौलाना मदनी

● आरएसएस चीफ मोहन भागवत के सुझाव का किया समर्थन ● कहा-दोनों समुदाय के लोगों को बैठकर समाधान करना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि मथुरा और काशी हिंदू समुदाय को सौंप देने चाहिए। मदनी ने भागवत के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि आपसी मतभेद मिटाकर सहभागिता के लिए मुस्लिम समुदाय को साथ आना चाहिए। एक साक्षात्कार में इस्लामिक विद्वान ने कहा कि उनके संगठन ने पहले ही सहभागिता के पक्ष को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि दोनों समुदायों के बीच मतभेद हैं जिन्हें कम करने का प्रयास किया जाना चाहिए। न्यूज एजेंसी से बात करते हुए मदनी ने कहा, 'दोनों समुदायों के बीच बहुत सारे मतभेद हैं। मेरे संगठन ने एक प्रस्ताव पारित किया है कि दोनों समुदायों के बीच बातचीत होनी चाहिए। मतभेद है लेकिन हमें उन्हें कम करने की जरूरत है। हम बातचीत के सभी प्रयासों का समर्थन करेंगे। कुछ दिन पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मथुरा और काशी को लेकर बयान दिया। मुस्लिम समुदायों तक पहुंचे उनके प्रयासों की प्रशंसा की जानी चाहिए। हम सभी प्रकार की बातचीत

का समर्थन करते हैं।' दरअसल कुछ दिन पहले आरएसएस की एक बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि राम मंदिर ही एक मात्र ऐसा आंदोलन था जिसमें संघ ने आधिकारिक तौर पर समर्थन किया, हालांकि हमारे कार्यकर्ताओं को काशी और मथुरा के आंदोलनों में जुड़ने और उसकी वकालत करने की पूरी अनुमति है। इसके साथ ही भागवत ने मुस्लिमों से स्थाई समाधान पर जोर दिया।

बिहार चुनाव से पहले कांग्रेस ने जला दी 'बीड़ी'

● गुस्से में बीजेपी, बिहार में आ गया राजनीतिक तूफान ● सियासी आग के बीच लालू ने जोड़ा गुजरात कनेक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की केरल इकाई ने एक सोशल मीडिया पोस्ट से बिहार के सियासी अखाड़ें में तूफान मचा दिया है। इस पोस्ट में केंद्र सरकार की जीएसटी नीतियों पर तंज कसते हुए बीड़ी और बिहार को एक साथ जोड़ा गया, जिसे बिहार के नेताओं ने अपमानजनक बताया है। कांग्रेस ने अपने पोस्ट में कहा कि बीड़ी और बिहार दोनों 'बी' से शुरू होते हैं और अब इन्हें 'पाप' नहीं माना जा सकता, क्योंकि केंद्र ने बीड़ी पर जीएसटी कम कर दिया। यह पोस्ट अब डिलीट हो चुका है, लेकिन विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। बिहार के उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता सम्राट चौधरी ने इस पोस्ट को 'पूरा बिहार का अपमान' बताया है।

शिल्पा शेट्टी और राज कुन्द्रा की बढ़ गई मुश्किलें

● लुकआउट नोटिस जारी, मुंबई पुलिस का बड़ा ऐक्शन

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस मुंबई पुलिस ने जारी किया है। मुंबई पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में की गई है। नोटिस अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ है। मामले में

अधिक जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने यह लुक आउट सर्कुलर जारी किया है, क्योंकि यह दंपति अक्सर अंतरराष्ट्रीय यात्राएं करता रहता है। अभिनेत्री और मॉडल शिल्पा शेट्टी नवंबर, 2009 में राज कुंद्रा के साथ विवाह बंधन में बंधी थीं। मुंबई पुलिस के अनुसा बॉलीवुड की अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति के खिलाफ 14 अगस्त को जुहू पुलिस स्टेशन एक केस दर्ज किया गया था। यह केस एक कारोबारी से लोन कम निवेश सौदे में लगभग 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़ा है।

अब 'वन नेशन वन डेटा पोर्टल' बना रही सरकार

● बदलेगा कॉलेजों की रैंकिंग का फॉर्मूला, बस नाम से नहीं चलेगा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क के तहत दी जाने वाली 'इंडिया रैंकिंग्स' को अब दस वर्ष पूरे हो गए हैं। 10 वर्षों में टॉप रैंकिंग में देश की आईआईटी व बड़े संस्थानों का ही कब्जा रहा है। अब आने वाले समय में नई रैंकिंग अप्रोच को अपनाया जाएगा और नए कल्चर के साथ इंडिया रैंकिंग होगी। केवल धारणा के आधार पर ही रैंकिंग नहीं होगी, बल्कि ज्यादा से ज्यादा डेटा का विश्लेषण किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि डेटा संचालित अप्रोच को फॉलो करना होगा और हर संस्थान के डेटा का बारीकी से विश्लेषण करना होगा। साथ ही नए अप्रोच में स्टार्टअप्स, एंटरप्रेन्योरशिप, इंडस्ट्री के साथ जुड़ाव समेत कई नए पहलुओं को शामिल किया जाएगा। रैंकिंग फ्रेमवर्क में कई बदलाव होंगे और अब आईआईटी पर भी दबाव बढ़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि एनआईआरएफ की ग्लोबल लेवल पर ब्रांड वैल्यू हो। आईआईटी को यह देखना

होगा कि इंडस्ट्री के साथ मिलकर विकसित भारत के सपने को साकार किया जाए। अब पुराने ढर्रे पर रैंकिंग नहीं होगी, बल्कि इनोवेशन को अपनाने वाले संस्थानों को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि वन नेशन वन डेटा पोर्टल को तैयार किया जा रहा है। एनआईआरएफ को डेटा विश्लेषण पर और ज्यादा ध्यान देना चाहिए। देश में करीब 50 हजार उच्च शिक्षा संस्थान हैं और कम से कम एक तिहाई संस्थानों को रैंकिंग फ्रेमवर्क से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि नैक एक्रीडिटेशन समेत रैंकिंग सिस्टम में भी और बदलाव लाने होंगे। स्टार्टअप्स और एंटरप्रेन्योरशिप को भी महत्व देना होगा। देश लंबी छलांग की कगार पर है। एनआईआरएफ को समीक्षा करनी होगी। भारत की शिक्षा व मैथमैटिकल कैपिसिटी मजबूत है। नया मॉडल तैयार होगा।

अक्टूबर में हो सकती है बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा

● दो से तीन चरणों में हो सकता है मतदान ,नवंबर में होगी मतगणना

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा अक्टूबर के पहले या दूसरे सप्ताह में हो सकती है। चुनाव आयोग की ओर से जैसे ही घोषणा होगी, वैसे ही पूरे राज्य में आचार संहिता लागू हो जाएगी। जानकारी के मुताबिक, इस बार बिहार में वोटिंग दो से तीन चरणों में कराए जा सकते हैं। आयोग की ओर से अभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। चुनावी प्रक्रिया को सुचारू

और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन को अलर्ट पर रखा जाएगा। निर्वाचन आयोग बिहार में मतदाता कराने को लेकर अपनी तैयारियों की अंतिम रूप देने में लग हुआ है। मतदाता सूची को अपडेट करने का काम लगभग पूरा कर लिया गया है। चुनावी कार्य के लिए कर्मचारियों की ट्रेनिंग का शेड्यूल भी तय किया जा रहा है।

बुजुर्ग हो रहा युवा भारत, देश में घट रहे हैं बच्चे

● एसआरएस की रिपोर्ट में सामने आई चौंकाने वाली तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हम भले ही युवा भारत होने का दम भरते हों, लेकिन असल तस्वीर इसके उलट नजर आ रही है। देश में 14 साल आयु वर्ग की आबादी जहां तेजी से कम हो रही है, वहीं वरिष्ठ नागरिकों की जनसंख्या में वृद्धि का रुझान है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से नमूना पंजीकरण प्रणाली रिपोर्ट (एसआरएस) 2023 के अनुसार देश में प्रजनन दर घट रही है, जिसकी वजह से शून्य से 14 वर्ष आयु वर्ग की आबादी में तेज गिरावट दर्ज की गई है। वहीं 60 साल से ऊपर के लोगों की जनसंख्या लगभग 10 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक 0 से 14 वर्ष आयु वर्ग की आबादी का हिस्सा 1971 से 1981 के दौरान 41.2 प्रतिशत के घटकर 38.1 प्रतिशत रह गया। वहीं 1991 से 2023 के

दौरान ये आबादी 36.3 प्रतिशत से घटकर 24.2 प्रतिशत रह गई। देश में कुल प्रजनन दर में आई गिरावट को इसके लिए जिम्मेदार बताया गया है, जो 1971 के 5.2 से घटकर 2023 में 1.9 रह गई। एसआरएस के मुताबिक 88 लाख लोगों का सर्वेक्षण करके ये रिपोर्ट तैयार की गई है। इसमें जनसांख्यिकी, प्रजनन और मृत्युदर जैसे संकेतकों के आधार पर डाटा तैयार किया है।

117 साल बाद 'दरिया-ए-नूर' तिजोरी खोलेगा बांग्लादेश

कोहिनूर की बहन के नाम से मशहूर, भारत के गोलकुंडा खदान से निकला था

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका के एक स्टेट बैंक की लंबे समय से बंद पड़ी तिजोरी को खोलने का आदेश दिया है। इस तिजोरी को 117 साल पहले (1908 में) सील की गई थी। इस तिजोरी में दुनिया की सबसे कीमती रत्नों में से एक 'दरिया-ए-नूर' हीरा बंद होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि यह हीरा वहां है भी या नहीं, क्योंकि दशकों से इसे देखा नहीं गया है। दरिया-ए-नूर को 'कोहिनूर की बहन' कहा जाता है। कोहिनूर अभी ब्रिटेन में मौजूद है।

अजित पवार ने फोन पर महिला आईपीएस को धमकाया

● वीडियो वायरल होने के बाद पार्टी की हुई फजीहत, मानी गलती ● अठावले बोले-डिप्टी सीएम को पता नहीं था कि वो अधिकारी हैं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष अजित पवार का महिला आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा से बहस का वीडियो सामने आया है। इसमें वे महिला अधिकारी को फटकारते नजर आ रहे हैं। घटना 31 अगस्त को सोलापुर जिले के कुर्दु गांव की बताई जा रही है, जहां आईपीएस मुरम का अवैध खनन रोकने पहुंची थीं। वीडियो में नजर आ रहा है कि सिविल ड्रेस में अंजना कृष्णा हाथ में मोबाइल लिए खड़ी हुई हैं। उनके आस-पास कुछ लोग हैं। आईपीएस की कॉल पर अजित पवार से बात चल रही है। दावा है कि अजित पवार आईपीएस को कार्रवाई रोकने का कह रहे हैं। हालांकि वीडियो सामने आने के बाद केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा- मुझे लगता है कि अजित पवार एक बहुत मजबूत नेता और एक अच्छे प्रशासक हैं। उन्होंने बाद में बताया कि क्या हुआ। उन्होंने गलती से ऐसा किया क्योंकि उन्हें नहीं पता था कि वह एक अधिकारी थीं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने जो किया वह सही नहीं था। अजित पवार ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- मैं साफ कहना चाहता हूं कि मेरा इरादा कानून में दखल देने का नहीं था, बल्कि यह था कि जमीनी स्तर पर स्थिति शांत रहे।

भारत और रूस को हमने चीन के हाथों खो दिया

● मोदी, पुतिन और जिनपिंग की तस्वीर शेयर कर ट्रंप का बड़ा बयान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनके रूस और भारत से रिश्ते खत्म होते नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि अमेरिका ने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है।

पोस्ट के साथ ट्रंप ने चीन में हुए शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन की तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ नजर आ रहे हैं। ऐसा करते हुए ट्रंप ने भारत और

रूस के साथ संबंध खत्म करने के संकेत दिए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ट्रूथ सोशल पर लिखा, लगता है हमने भारत और रूस को सबसे अंधकारमय चीन के हाथों खो दिया है। ईश्वर करे कि उनका भविष्य लंबा और समृद्ध हो! ट्रंप ने एससीओ समिट की तस्वीर शेयर करते हुए संकेत दिया है कि रूस और भारत के चीन की तरफ जाने को वह अमेरिका के साथ रिश्ते खत्म करने की तरह देख रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से की गई इस पोस्ट पर कोई प्रतिक्रिया नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने भारत के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया है। अमेरिकी सरकार ने बीते महीने भारत के सामानों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इससे दोनों देशों के बीच तनाव है। वहीं रूस के साथ यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर अमेरिका की तनातनी बढ़ हुई है। इस घटनाक्रम के बीच रूसी राष्ट्रपति पुतिन और पीएम नरेंद्र मोदी ने इस महीने की शुरुआत में चीन का दौरा किया है।

पांचवीं जनरेशन के विमान के इंजन अमेरिका से लेगा भारत

● 14000 करोड़ की डील, अमेरिकी कंपनी 80 फीसदी तकनीक देने भी तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैरिफ वॉर की तल्खी के बीच भारत की विमान निर्माता कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक के बीच जेट इंजन को लेकर कई रक्षा सौदे फाइनल स्टेज में हैं। एचएएल सूत्रों के मुताबिक सबसे बड़ा सौदा जेट जीई 414 इंजन का होने जा रहा है।

यह इंजन भारत के 5वीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान एम्का (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) में लगेगा। जीई ने इस इंजन की 80 फीसदी तकनीकी ट्रांसफर की एचएएल की शर्त मान ली है। सौदे में यह तय होना है कि जीई इस इंजन के बाकी पार्टनर्स के साथ तकनीक ट्रांसफर की सहमति खुद लेगी या एचएएल को बातचीत में सहयोग देगी। इस करार के बाद जीई-414 इंजन का प्रोडक्शन भारत में हो सकेगा। एचएएल 10 जीई-414 इंजन खरीद चुकी है, ताकि एम्का का विकास न रुके।

बाढ़ और उफनती नदियों ने मचा रखा है तांडव

● पंजाब, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल हुए त्रस्त ● मानसून ने तोड़ा 14 साल का रिकॉर्ड, हर ओर पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में इस बार मानसून ने जमकर तबाही मचाई है। पिछले 14 सालों में ऐसा पहला मौका आया है जब लगातार दो हफ्तों तक इतनी बारिश हुई। मौसम विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, 22 अगस्त से 4 सितंबर के बीच उत्तर भारत में सामान्य से करीब तीन गुना ज्यादा बारिश हुई है। इस दौरान जम्मू-कश्मीर में वैष्णो देवी मार्ग पर बादल फटने, पंजाब में दशकों बाद सबसे बड़ी बाढ़, दिल्ली में यमुना का जलस्तर तीसरे सबसे ऊंचे स्तर तक पहुंचना और हिमाचल-उत्तराखंड में भारी भूस्खलन जैसी घटनाएं हुईं। आंकड़ों के मुताबिक, इन 14 दिनों में उत्तर भारत में औसतन 205.3 मिमी बारिश दर्ज की गई जबकि सामान्य तौर पर यह सिर्फ

73.1 मिमी होती है। यानी सिर्फ दो हफ्तों की बारिश से ही पूरे मानसून का 35 फीसदी कोटा पूरा हो गया। 1 जून से लेकर 4 सितंबर तक उत्तर भारत में 691.7 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 37 फीसदी ज्यादा है। अगर सितंबर के बाकी दिनों में सामान्य बारिश भी हुई तो यह आंकड़ा 750 मिमी से ऊपर जा सकता है। यह 1988 के बाद दूसरा सबसे ज्यादा बारिश वाला मानसून होगा। 1988 में सबसे ज्यादा 813.5 मिमी बारिश हुई थी और 1994 में 737 मिमी। इस साल का मानसून दोनों को पीछे छोड़ते हुए रिकॉर्ड बुक में जगह बनाने की तैयारी में है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, यह लगातार बारिश दो मौसम प्रणालियों के टकराने से हुई है।

कलेक्टर के फैसले के विरुद्ध याचिका खारिज

इंदौर। होप टेक्सटाइल मिल मामले में सरकार को आज बड़ी राहत प्राप्त हुई है। हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ मिल प्रबंधन द्वारा कलेक्टर के आदेश को चुनौती देते हुए दायर की गई याचिका को खारिज कर दिया। मामले की सुनवाई प्रणय वर्मा की पीठ में हुई। सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता आनंद सोनी ने विस्तृत व ठोस तर्क रखते हुए यह स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता के पास वैधानिक रूप से वैकल्पिक उपचार उपलब्ध है, अतः सीधे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाना विधिसम्मत नहीं है। कोर्ट ने सोनी के तर्कों से सहमति व्यक्त करते हुए यह निर्णय दिया कि याचिका प्रचलन योग्य नहीं है, इसलिए उसे निरस्त किया जाता है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि उपलब्ध वैधानिक उपायों को दरकिनार कर प्रत्यक्ष रूप से दायर की गई याचिका स्वीकार्य नहीं है। इस फैसले से सरकार को महत्वपूर्ण राहत मिली और कलेक्टर, इंदौर द्वारा होप टेक्सटाइल मिल के संबंध में पारित आदेश पूरी तरह प्रभावी रहेगा। कोर्ट का यह निर्णय न केवल इस प्रकरण में सरकार की स्थिति को सुदृढ़ करता है, बल्कि भविष्य के लिए भी एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है।

मंदिरों की व्यवस्था के लिए प्रशासक नियुक्त

इंदौर। शहर के प्रमुख मंदिरों में व्यवस्थाओं को और सुचारू बनाने के लिए प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है।आयुक्त कार्यालय द्वारा संधारित गोपाल मंदिर,बांके बिहारी मंदिर, तुलसीदास राम मंदिर, पंढरीनाथ मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों के लिए प्रशासक नियुक्त किया गया है। राज्य प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी ओपी श्रीवास्तव को मानसेवी आधार पर समन्वयक/प्रशासक बनाया गया है। वे मंदिरों में आवश्यक व्यवस्थाओं,निर्माण कार्यों के पर्यवेक्षण तथा धार्मिक आयोजनों की देखरेख करेंगे। इस संबंध में संभागायुक्त दीपक सिंह ने आदेश जारी किए हैं।

ससुराल के तानों से परेशान होकर फांसी लगाई

इंदौर। ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी शादी 10 माह पहले हुई थी। खुड़ैल पुलिस के अनुसार, शादी के बाद महिला अपने ससुराल में रहने इंदौर आई थी। ससुराल वाले उसे बात-बात पर ताने मारते थे। कई बार दहेज को लेकर भी प्रताड़ित करने लगे थे। यहां तक की भाई और भाभी से बात भी नहीं करने देते थे। पति भी आए दिन उससे विवाद करता था। इन सबसे परेशान होकर नवविवाहिता कोमल शुक्ला ने फांसी लगा ली। कोमल के परिजनों का आरोप है कि पति बीरबल मिश्रा और जेठ उनकी बेटी को लगातार परेशान करते थे। उसने इस बात का जिक्र कई बार अपनी भाभी से कॉल पर बात करते हुए किया था। इस पर उसके भाई ने कोमल के पति और जेठ से बात कर उसे परेशान नहीं करने का आग्रह किया था। इसके बाद भी उन्होंने कोमल को प्रताड़ित करना जारी रखा। भाई ने बताया कि कोमल की आत्महत्या की खबर भी उन्हें देर से दी गई। सुबह करीब 5 बजे कोमल ने फांसी लगाई थी, लेकिन हमें इसकी जानकारी सुबह 11 बजे कॉल कर दी गई।

घर से गायब हुआ आरक्षक रीवा पहुंचा

इंदौर। पारिवारिक तनाव के चलते आरक्षक अपने घर से लापता हो गया था। उसकी लोकेशन रीवा में होने की सूचना है। जूनी इंदौर के सहायक पुलिस आयुक्त विजय चौधरी ने बताया कि आरक्षक संजय पिता गोवर्धन मंडलोई निवासी सी-बी, सेन्ट्रल कोतवाली पुलिस लाइन स्थायी पता दौलत नगर धार पुलिस की वर्दी में 3 सितम्बर को कहीं चला गया। सुबह 8 बजे घर पर ब्लैक रंग की पल्सर गाड़ी और मोबाइल घर ही छोड़ दिया था। देर रात तक वह घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने सेन्ट्रल कोतवाली थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। गुमशुदगी के बाद पुलिस ने आरक्षक को ढूंढने के काफी प्रयास किए। उसका फोटो सोशल मीडिया पर भी वायरल किया, ताकि कुछ जानकारी हासिल हो सके। वह 2-3 माह पहले ही रावजी बाजार थाने में पदस्थ हुआ था। यहां कम्प्यूटर आपरेटर का काम करता था। इसके पहले तुकोगंज और छत्रीपुरा थाने में सेवाएं दे चुका है। लगातार पुलिस उसकी तलाश में थी, तभी रीवा में रहने वाले दोस्त ने आरक्षक उसके घर होने की बात कही है। इस पर पुलिस की टीम रीवा हुई है। आरक्षक के दो छोटे बच्चे हैं।

मूर्ति विसर्जन स्थल का पुलिस ने निरीक्षण किया

इंदौर। गणेश चतुर्थी पर कल 6 सितंबर की शाम को जहां शहर में झांकियों का चल समारोह निकलेगा। वहीं भगवान गणेश की मूर्तियों के विसर्जन का सिलसिला भी शुरू होगा। विसर्जन स्थल पर कई बार हादसे हो जाते हैं। इसे देखते हुए यहां सुरक्षा व्यवस्था के माकूल इंतजाम किए जाएंगे। बाणगंगा थाने की सहायक पुलिस आयुक्त रूबीना मिजवानी ने पुलिस टीम के साथ थाना क्षेत्र के विसर्जन स्थलों बरदरी तालाब, रेवती तालाब और खदान, मगरखेड़ा खदान, भूरी टेकरी खदान, टिगरिया बादशाह का निरीक्षण किया। पालाखेड़ी स्थित नाले में ग्रामीणों द्वारा, लिंबोदागारी में श्मशान के पास मू?र्तियां विसर्जित की जाती है। सिरपुर तालाब(बगीचा) पर नगर निगम द्वारा डम्परों से मूर्तियां रखवाई जाती है। जवाहर टेकरी के पास खदानों से बने तालाब, टिगरिया बादशाह तालाब के पास, छोटा बांगड़दा, भौंरासला तालाब और रेवती तालाब-खदान में आमजन मूर्ति विसर्जित करते हैं। इन स्थानों पर कई बार अनदेखी करने और लापरवाही बरतने पर हादसे हो चुके हैं। पुलिस ने आमजन से अपील की कि वे विसर्जित करते समय सावधानी बरतें।

इंदौर रेलवे स्टेशन के री-डेवलपमेंट का काम शुरू, पार्किंग को हटाया

● प्लेटफार्म नंबर 1 के सामने हजार वाहन खड़े करने का इंतजाम

इंदौर। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए इंदौर रेलवे स्टेशन के री-डेवलपमेंट का काम चल रहा है। दो पहिया पार्किंग स्थल को भी तोड़ा जा रहा है। तोड़फोड़ से पहले पार्किंग को प्लेटफार्म नंबर-एक के सामने शिफ्ट किया गया। पार्किंग में आने-जाने के लिए दीवार तोड़कर दो रास्ते बनाए गए। वहीं एक हजार से अधिक वाहन खड़े करने के लिए 10 शेड बनाए गए हैं।

रेलवे स्टेशन पर एयरपोर्ट - जैसी सुविधाएं देने के लिए रि-डेवलपमेंट किया जा रहा है। पश्चिम रेलवे ने यह काम मोंटे कार्लो कंपनी को सौंपा है। यहां 412 करोड़ की लागत से यात्रियों को रूफ प्लाजा, एग्जीक्यूटिव लाउंज, हाईटेक ड्रेनेज सिस्टम, प्लेटफॉर्म कवर शेड, सुंदर प्रवेश द्वार और वाई-फाई जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। सात मंजिला स्टेशन भवन में 26 लिफ्ट, 17 एस्केलेटर और 500 से अधिक कारों के लिए पार्किंग की व्यवस्था होगी। इस काम को 42 महीने या 1277 दिन में पूरा करना है। इससे पहले पार्सल कार्यालय को हटाया था।

एक हजार वाहन खड़े होंगे- पार्किंग ठेकेदार ने बताया कि नई पार्किंग एक नंबर प्लेटफार्म के सामने रोड पार करके बनाई गई है। पार्किंग के लिए एक रास्ता दीवार तोड़कर और दूसरा आरक्षण कार्यालय के बगल से बनाया गया है। इसमें एक हजार से अधिक वाहन खड़े किए जा सकेंगे।

सिंहस्थ से पहले काम पूरा होगा- उज्जैन में 2028 में सिंहस्थ मेला भराएगा। जिसमें देशभर से श्रद्धालु आएंगे और शिप्रा में डुबकी लगाएंगे। उज्जैन का निकटस्थ स्टेशन इंदौर है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। स्टेशन का रि-डेवलपमेंट कर रही कंपनी को इससे पहले काम पूरा करना होगा। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कार्य की वर्तमान गति को देखते हुए पूरा स्टेशन सिंहस्थ से पहले तैयार होना संभव नहीं लग रहा। विशेषज्ञों के अनुसार अगर इंदौर स्टेशन सिंहस्थ के पहले तैयार नहीं हुआ, तो सारा दबाव लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन पर आएगा, जहां भीड़ का प्रबंधन करना बड़ी चुनौती होगी। सिंहस्थ में रेलवे को स्पेशल ट्रेनों का संचालन भी करना पड़ता है, इसलिए नया स्टेशन समय पर तैयार होना जरूरी है।

50 साल को ध्यान में रखकर स्टेशन का रि-डेवलपमेंट अगले 50 साल की जरूरतों को देखकर किया जा रहा है। इसमें यह भी देखा गया है कि अगले 50 साल में यात्रियों की संख्या कितनी बढ़ेगी और उसके प्रबंधन में क्या चुनौतियां आएंगी।

नौकरी दिलाने के नाम पर डॉक्टर से 1.72 करोड़ की ठगी की घटना हुई

● फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिए, जो विभागीय जांच में नकली पाए गए

इंदौर। शहर के नामी डॉक्टर सुभाष केसरिया के साथ बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। क्राइम ब्रांच ने आरोपी राकेश सुमन को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने डॉक्टर और उनके परिचितों से नौकरी दिलाने के नाम पर करीब 1 करोड़ 72 लाख रुपए ऐंठ लिए। जानकारी के अनुसार वर्ष 2018 से 2024 के बीच आरोपी राकेश सुमन ने डॉ केसरिया से संपर्क किया। उसने खुद को प्रभावशाली बताते हुए कहा कि वह उनके रिश्तेदारों को आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) में नौकरी दिलवा सकता है। डॉक्टर के पिता भी एएसआई में अधिकारी रह चुके थे, इसलिए उन्होंने उस पर भरोसा कर लिया। आरोपी ने पाँच-छह लोगों की नियुक्ति कराने के नाम पर नकद और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के माध्यम से वसूली की। दबाव बढ़ने पर उसने फर्जी नियुक्ति पत्र भी उपलब्ध कराए, जो विभागीय जांच में नकली पाए गए। शिकायत मिलने पर क्राइम ब्रांच ने आरोपी को बुधवार रात लसूड़िया क्षेत्र से हिरासत में लिया। उसके खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471 और 472 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपी राकेश ने कक्षा 9 वीं तक पढाई की है। उसके पिता पुरातत्व विभाग भोपाल में स्मारक परिचर के पद पर पदस्थ थे। इस कारण आरोपी को पुरातत्व विभाग के कागजातों की पहचान थी। आरोपी घटना के समय इंडेक्स मेडिकल कॉलेज में ड्राइवरी करता था। कॉलेज में आवेदक से पहचान हुई थी। वहीं से आरोपी ने आवेदक को अपने झांसे में लेकर पुरातत्व विभाग में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर आवेदक से ठगी की। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया था।

मुस्लिम इलाके में बदले सड़कों के नाम, निगम के 3 इंजीनियरों पर कार्रवाई हुई

● प्रभारी कार्यपालन इंजीनियर और सब इंजीनियर निलंबित, एक बर्खास्त

इंदौर। शहर के एक मुस्लिम बहुल इलाके में सड़कों के नाम कथित रूप से बदलकर इनके विवादास्पद साइन बोर्ड लगाने के मामले में नगर निगम ने तीन अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। एक प्रभारी कार्यपालन इंजीनियर और एक सब इंजीनियर को निलंबित किया गया। जबकि, एक प्रभारी सब इंजीनियर की सेवाएं समाप्त कर दी गई। महापौर कार्यालय के एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि शहर के चंदन नगर में कथित तौर पर मनमर्जी से सड़कों के नाम बदलने और परिवर्तित नामों के विवादास्पद साइन बोर्ड लगाने के मामले की जांच रिपोर्ट के आधार पर नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव के निर्देश पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की है।

सब इंजीनियर की नौकरी गई- उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के तहत नगर निगम के यातायात विभाग के एक प्रभारी कार्यपालन इंजीनियर और एक सब इंजीनियर को निलंबित कर दिया गया है, जबकि एक प्रभारी सब इंजीनियर की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। अधिकारी ने बताया कि नगर निगम के यातायात विभाग का प्रभारी अपर आयुक्त बदल दिया गया है।

लगाए थे विवादित साइन बोर्ड- इंदौर नगर निगम ने मुस्लिम बहुल इलाके चंदन नगर की करीब पांच सड़कों के विवादित साइनबोर्ड 21 अगस्त को हटा दिए थे। यह कार्रवाई पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय द्वारा नगर निगम को भेजे एक पत्र के बाद की गई थी।

जेल से छूटे बांग्लादेशी दंपत्ति को पुलिस ने फिर से गिरफ्तार किया

● अवैध बांग्लादेशियों पर सेना की खुफिया एजेंसी सतर्क

इंदौर। नागरिकता संबंधी दस्तावेज नहीं होने से हीरा नगर पुलिस ने बांग्लादेशी दंपत्ति को गिरफ्तार किया है। वे अपहरण कांड के एक मामले में चार साल से सेंट्रल जेल में बंद थे। बुधवार शाम जैसे ही जेल से रिहा हुए, उन्हें पुलिस अपने साथ थाने ले आई। पुलिस के मुताबिक, अब उन्हें उनके देश भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

फिलहाल उन्हें सेफ हाउस में रखा गया है। राज्य स्तर पर गठित एसआईटी ने इंदौर पुलिस को रिहाई की पूर्व सूचना दी थी। इस कारण उन्हें जेल परिसर में ही हिरासत में ले लिया गया। उल्लेखनीय है कि यह दंपत्ति 2020 में हुए अपहरण कांड में पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार हुए थे। कोर्ट ने उन्हें चार साल की कैद सुनाई थी। कुछ दिनों बाद उन्हें बांग्लादेश वापस भेजा जाएगा। इसके अलावा इंदौर के औद्योगिक क्षेत्र में संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों के डाटा को लेकर पुलिस व इंटेलिजेंस टीमें सक्रिय हैं।

कई कारीगर बांग्लादेशी- हीरा नगर रेलवे पटरी के पास झुग्गी में रह रहे एक अन्य बांग्लादेशी युवक की भी पहचान की गई है, जिसके दस्तावेजों की पुलिस जांच कर रही है। सराफा क्षेत्र में आभूषण बनाने के काम में कई बांग्लादेशी कारीगर लगे हैं। चंदन नगर और खजराना क्षेत्र में भी वर्षों पहले वे आकर रहने लगे थे और उन्होंने फर्जी आधार कार्ड भी बनवा रखे हैं। 'आपरेशन सिंदूर' के दौरान पुलिस ने इन बंगाली कारीगर की जांच पड़ताल की थी, लेकिन कोई भी संदिग्ध नहीं दिखा।

आर्मी इंटेलिजेंस की जांच शुरू- बांग्लादेशी घुसपैठियों की आर्मी इंटेलिजेंस ने भी जांच शुरू कर दी। इंटेलिजेंस ने एसआईटी अफसरों से संपर्क कर जानकारी मांगी है। एसआईटी ने इंदौर में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को पता लगाया था। जांच में खुलासा हुआ था कि वर्षों पूर्व घुसपैठ कर भारत आए इन बांग्लादेशियों ने न केवल भारत की नागरिकता हासिल कर ली, आधार और वोटर कार्ड बनवा लिए, बल्कि एक आरोपी तो सेना में भी शामिल हो गया।

पुलिस मुख्यालय ने प्रदेश के पुलिस आयुक्त और आईजी को इस संबंध में पत्र लिखा है। डीसीपी(आसूचना) डॉ. हंसराज सिंह ने 23 जुलाई को पांच सदस्यीय एसआईटी का गठन कर एसीपी जगदीश पाटिल को फ्लाइट से पश्चिम बंगाल भेजा था। पुलिस मुख्यालय ने 58 संदेही लोगों की सूची सौंपी थी। जांच में सौरभ दास के बारे में पता चला कि उसका कनेक्शन बांग्लादेश से है। उसके पिता घुसपैठ कर भारत आए थे।

वह पश्चिम बंगाल के काकद्वीप में रेलवे पटरी किनारे रहते हैं। मामा समर और प्रणव के भी बांग्लादेशी होने का शक है। सौरभ ने बांग्लादेशी युवती से विवाह किया है। सौरभ की बहन प्रभा का एक बेटा सेना में है। उधर पीएचक्यू ने भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, शाजापुर में भी एसआईटी गठित कर संदेहियों की जांच के लिए बिहार और असम में टीमें भेजी हैं।

सानंद न्यास का पुरस्कार वितरण समारोह 7 सितंबर को आयोजित

● महाराजा यशवंतराव होलकर और गिरीश पतके भी आएंगे

इंदौर। सानंद न्यास का पुरस्कार वितरण समारोह 7 सितंबर रविवार को स्थानीय जाल सभागृह में शाम 5 बजे आयोजित किया गया है। सानंद न्यास के अध्यक्ष जयंत भिसे एवं मानद सचिव संजीव वावीकर ने बताया कि पुरस्कार वितरण देवी श्री अहिल्याबाई के वंशज महाराजा यशवंतराव होलकर एवं महाराष्ट्र शासन की राज्य मराठी संस्था के कार्यासन अधिकारी गिरीश पतके हाथों होगा।

यशवंतराव होलकर (तृतीय), लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के 16वें वंशज हैं। वे महेश्वर में अहिल्येश्वर छत्री के जीर्णोद्धार और होलकर सांस्कृतिक केंद्र के माध्यम से उनकी धरोहर को संरक्षित कर रहे हैं। माहेश्वरी हैंडलूम परंपरा को बढ़ावा देने के लिए रेहवा सोसायटी एवं वुमन विव्ह से जुड़े हैं। अहिल्या अनुभव समूह का संचालन करते हैं। गिरीश पतके लेखक, निर्देशक व अभिनेता हैं। उन्हें रंगभूमि का 35 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने 17 नाटकों का निर्देशन करने के साथ ही 5 पुस्तकों के शब्दकोशों में संपादन कार्य भी किया है। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में वक्ता, निरीक्षक व व्याख्याता के रूप में आमंत्रित किया गया। अनेक नाट्यस्पर्धाओं में परीक्षक व मार्गदर्शक भी रहे। कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

सानंद न्यास द्वारा अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाह करते हुए, अपने वैभवशाली परंपरा से नई पीढ़ी को अवगत कराने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष विविध स्पर्धाओं का आयोजन करता हे गोष्ट सांगा प्रतियोगिता, सानंद समूह गीत स्पर्धा, नाट्यस्पर्धा। इस वर्ष भी यह सभी स्पर्धाएं सफलता की ऊंचाइयों को छूते हुए संपन्न हुई। विविध स्पर्धाओं में सभी की प्रस्तुतियां फिर वह दादा-दादी की गोष्ट सांगा प्रतियोगिता हो या बच्चों एवं युवाओं की समूह गीत स्पर्धा या शौकिया कलाकारों को प्रोत्साहन मिले ऐसी मंशा से आयोजित नाट्य स्पर्धा प्रशंसनीय रही।

सानंद मराठी नाट्य स्पर्धा विजेता स्पर्धकों को पुरस्कार के रूप में वरिष्ठ रंगकर्मी एवं सिने स्टार श्री अच्युत पोतदार द्वारा प्रायोजित प्रथम पुरस्कार पु. ल. देशपांडे स्मरणार्थ 50,000 रू, द्वितीय पुरस्कार पं सत्यदेव दुबे स्मरणार्थ 30,000 रू तथा तृतीय पुरस्कार बाबा डिके स्मरणार्थ 20,000 रु नकद तथा सर्वोत्कृष्ट अभिनेता, अभिनेत्री व दिग्दर्शक के लिए क्रमशः डॉ श्रीराम लागू एवं सुलभा देशपांडे स्मरणार्थ एवं विजया मेहता पुरस्कार 5000 रू नकद एवं नाटक की सभी विधाओं के विजेताओं को प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार स्वरूप स्वर्ण पदक, रजत पदक तथा सहभागिता के लिए कलाकारों को प्रमाणपत्र दिये जाएंगे। इस अवसर पर प्रेक्षकों की सहभागिता बढ़ाने के दृष्टि से गठित 'सानंद नाट्यवेद' समूह में शामिल दर्शकों में से विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार वितरण अवसर पर 'सानंद मराठी समूह गीत स्पर्धा एवं 'सानंद मराठी गोष्ट सांगा प्रतियोगिता' के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने इंदौर को दी सौगात, 50 इलेक्ट्रिक बसों का उद्घाटन किया

● यात्रियों को आधुनिक और पर्यावरण हितैषी परिवहन सुविधा

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को इंदौर पहुंचे और शहरवासियों को कई उपहार दिए। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने 50 नई इलेक्ट्रिक एसी सिटी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन बसों से यात्रियों को आधुनिक और पर्यावरण हितैषी परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने नगर निगम द्वारा आयोजित स्वच्छता कर्मवीर सम्मान समारोह में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने सफाईकर्मियों के साथ बैठकर भोजन किया और उनके कार्यों की सराहना की। डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर की स्वच्छता पूरे देश के लिए प्रेरणा है और इसमें सफाई कर्मियों की मेहनत सबसे अहम है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे स्वच्छता अभियान में सहयोग देते रहें ताकि इंदौर अपनी उपलब्धियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सके।

स्वच्छता बनी देश में पहचान- मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश के बावजूद सफाईकर्मियों ने शहर को साफ-सुथरा बनाए रखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वच्छता पहल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि लाल किले से शुरू हुआ संदेश आज देश की पहचान है और इंदौर ने 8 बार नंबर-वन रहकर इसे नया मुकाम दिया है।

महिला ग्राहकों के लिए शुरू की 'नारी सुरक्षा कैंसर कवर' योजना

● 449 रुपए वार्षिक प्रीमियम पर 1 लाख तक का कैंसर कवर

इंदौर। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने अपने 8 वें स्थापना दिवस पर महिला ग्राहकों को विशेष सौगात दी है। इंदौर शाखा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पोस्ट मास्टर जनरल प्रीति अग्रवाल ने 'नारी सुरक्षा कैंसर कवर योजना' का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत 18 से 50 वर्ष तक की महिलाएं मात्र 449 रुपये वार्षिक प्रीमियम पर 1 लाख रुपये तक का कैंसर कवर प्राप्त कर सकेंगी। यह पहल महिलाओं को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ने में वित्तीय सहारा प्रदान करेगी। कार्यक्रम में बताया गया कि इस वर्ष 5 हजार से अधिक लोगों ने बीमा पॉलिसी ली है, जिनमें अब तक 29 मृत्युपरांत और 100 से ज्यादा अस्पताल भर्ती क्लेम दिए जा चुके हैं।

आज अनंत चतुर्दशी समारोह निकलेगा शाम के बाद इन रास्तों पर जाने से बचें

● ट्रैफिक पुलिस ने जारी किया डायवर्सन प्लान, पार्किंग व्यवस्था भी बताई

इंदौर। 6 सितम्बर को शहर में अनंत चतुर्दशी पर झांकियों का चल समारोह निकलेगा। चल समारोह मार्ग पर लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने 2500 पुलिस जवान तैनात रहेंगे। वहीं, बस सहित अन्य वाहनों की आवाजाही में सुगमता बनी रहे, इसे देखते हुए ट्रेफिक पुलिस ने रुट प्लान जारी किया है।

शहर के विभिन्न हिस्सों से झांकियां चलकर चिकमंगलूर चौराहा पर एकत्रित होकर यहां से जेलरोड चौराहा, एमजी रोड चौराहा, मृगनयनी, फरूट मार्केट, नंदलालपुरा, जवाहर मार्ग, नरसिंह बाजार, क्लॉथ मार्केट, खजूरी बाजार से राजवाड़ा से मृगनयनी, नगर निगम होते हुए झांकियां अपने-अपने स्थानों पर जाएगी। चल समारोह शाम 6 बजे से चिकमंगलूर चौराहा से प्रारम्भ होकर देर रात्रि तक समापन होगा।

यह रहेगी वाहनों की व्यवस्था

- मरीमाता चौराहा से रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड की ओर जाने वाला यातायात भागीरथपुरा टी से एमआर-4 होकर राजकुमार ब्रिज के नीचे से वल्लभनगर टी से जीएसआईटीएस होकर जा सकेगा।

- जवाहर मार्ग से नंदलालपुरा होकर यशवंत रोड चौराहा जाने वाला यातायात सैफी चौराहे से हाथीपाला होकर जा सकेगा।

- मधुमिलन से नंदलालपुरा यशवंत रोड चौराहा राजमोहल्ला आदि की ओर जाने के लिए फॉरेस्ट टी से अग्रसेन सपना संगीता रोड का उपयोग करें।

- रीगल चौराहा लेंटर्न चौराहा से मरीमाता जाने के लिए वल्लभ नगर टी से राजकुमार ब्रिज के नीचे से होते हुए एमआर- 4 मार्ग का उपयोग करते हुए भागीरथपुरा टी से मरीमाता चौराहा की ओर जा सकते हैं।

- रीगल चौराहा से शास्त्री ब्रिज होकर मृगनयनी राजवाड़ा, यशवंत रोड चौराहा की तरफ जाने के लिए जीपीओ, फॉरेस्ट टी से अग्रसेन सपना संगीता रोड का उपयोग करें।

- नंदलालपुरा, यशवंत रोड, रामलक्ष्मण बाजार, नृसिंह बाजार, जी सच्चिदानंद, गौराकुंड, शक्कर बाजार, सुभाष चौक, राजवाड़ा, कृष्णपुरा पुल तक समस्त प्रकार के वाहनों की पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी।

- ऐसे वाहन जो जवाहर मार्ग से आवागमन करना चाहते हैं वे जवाहर मार्ग का उपयोग न करते हुए राजमोहल्ला चौराहा से या मालगंज चौराहा से बियाबानी, दरगाह चौराहा, या महूनाका, मच्छी बाजार, पंढरीनाथ, चन्द्रभागा पुल से होकर बड़ा रावला होकर आगे जा सकेंगे।

- ऐसे वाहन जो मल्हारगंज थाने से एमजी रोड होकर राजवाड़े से मृगनयनी जाना चाहते हैं, वे मल्हारगंज थाने से एसीपी कार्यालय मल्हारगंज, बड़वाली चौकी होते हुए सुभाष मार्ग से नगर निगम होकर आगे जा सकेंगे।

परिवर्तित मार्ग का उपयोग करें

- भागीरथपुरा टी से भंडारी ब्रिज तिराहा की ओर जाने वाले मार्ग पर आम वाहन नहीं जा सकेंगे।

- रीगल चौराहा से शास्त्री ब्रिज, मृगनयनी की ओर जाने वाले मार्ग पर वाहन नहीं जा सकेंगे।

- सैफी चौराहा से संजय सेतु, नंदलालपुरा की ओर जाने वाले मार्ग पर आम वाहन नहीं जा सकेंगे।

- नगर निगम चौराहा से मृगनयनी चौराहा एवं चिकमंगलूर चौराहा की ओर जाने वाले मार्ग पर वाहन नहीं जा सकेंगे।

- राजकुमार ब्रिज से डीआरपी चौराहा की ओर जाने वाले मार्ग पर आम वाहन नहीं जा सकेंगे।

- चल समारोह मार्ग में अन्य सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश पूर्णतः निषेध रहेगा।

- रामबाग से महेश जोशी टी से सुभाष पानी की टंकी से ए.सी.पी कार्यालय मल्हारगंज बड़वाली चौकी, इतवारिया बाजार, सब्जी मंडी से दरगाह चौराहा से मच्छी बाजार, पंढरीनाथ थाना टी, गौतम पुरा टी, कबूतरखाना चौकी से किसी भी प्रकार के वाहन चल समारोह मार्ग की ओर नहीं जा सकेंगे।

- चल समारोह प्रारम्भ होने से समाप्ति तक वाहनों के आवागमन की अनुमति नहीं रहेगी।

संपादकीय

देश के 47 प्रतिशत मंत्रियों पर आपराधिक मामले

देश में लगभग सभी राज्यों में सामान्य राजनेता तो ठीक, मंत्री जैसे संवैधानिक पद पर विराजमान लोगों में दागियों का बोलबाला है। प्रकारांतर से यह हमारे पूरे समाज का आईना है। यह हकीकत एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ताजा शपथ पत्र अध्ययन रिपोर्ट में सामने आई है। ADR ने 27 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्र सरकार के कुल 643 मंत्रियों के शपथ पत्रों (एफिडेविट) का विश्लेषण किया। एडीआर के मुताबिक जिन शपथ पत्रों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है, वे 2020 से 2025 के बीच चुनावों के दौरान दाखिल हुए थे। इन मामलों की स्थिति बदल भी सकती है। रिपोर्ट में इस हकीकत का खुलासा किया गया है कि देश के 47 प्रतिशत मंत्रियों पर क्रिमिनल केस है। 653 मंत्रियों में से 174 पर मर्डर-रेप जैसे गंभीर आरोप हैं। इनमें भाजपा के 136, कांग्रेस के 45 मिनिस्टर शामिल हैं। एडीआर ने कुल 643 मंत्रियों के शपथपत्रों का विश्लेषण किया। गौरतलब है कि हमारे देश में विभिन्न राज्यों के 302 मंत्री (करीब 47 प्रतिशत) खुद पर आपराधिक केस होने की बात स्वीकार कर चुके हैं। इनमें 174 मंत्री ऐसे हैं, जिन पर हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। यह मामला राज्यों तक ही सीमित नहीं है। केंद्र सरकार के 72 मंत्रियों में से 29 (40 प्रतिशत) ने आपराधिक केस होने की बात मानी है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने हाल ही में एक प्रस्ताव रखा था, जिसमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक मामलों में 30 दिन की गिरफ्तारी के बाद पद से हटाने की बात कही गई थी। हालांकि व्यवहार में ऐसा कहीं कुछ होता दिखाई नहीं दिया। चिंता की बात यह है कि देश के कुल 11 राज्यों में 60 फीसदी मंत्री क्रिमिनल हैं। इनमें आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुडुचेरी में 60 प्रतिशत से ज्यादा मंत्री आपराधिक मामलों में आरोपी हैं। जबकि हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, नागालैंड और उत्तराखंड के किसी भी मंत्री पर कोई आपराधिक केस दर्ज नहीं है। इन 643 मंत्रियों की कुल संपत्ति रू. 23 हजार 929 करोड़ है। औसतन हर मंत्री के पास रू. 37.21 करोड़ रुपए की संपत्ति है। 30 में से 11 विधानसभाओं में अरबपति मंत्री हैं। कर्नाटक में सबसे ज्यादा 8 अरबपति मंत्री हैं, आंध्र प्रदेश में 6 और महाराष्ट्र में 4 हैं। केंद्र सरकार में 72 मंत्रियों में से 6 मंत्री (8 प्रतिशत) अरबपति हैं। अगर अरबपतियों का पार्टीवार आंकड़ा देखें तो सबसे ज्यादा अरबपति मंत्री भाजपा के हैं। एडीआर के अनुसार भाजपा के 14 मंत्री अरबपति हैं (कुल का 4 प्रतिशत)। जबकि कांग्रेस के 11 मंत्री अरबपति हैं (कुल का 18 प्रतिशत) तथा टीडीपी के 6 मंत्री अरबपति हैं (कुल का 26 प्रतिशत)। इनके अलावा आम आदमी पार्टी, जनसेना पार्टी, JDS, NCP और शिवसेना के भी अरबपति मंत्री हैं। आपराधिक मामलों के संदर्भ में महिला जनप्रतिनिधि भी पीछे नहीं हैं। इस बारे में एडीआर ने एक रिपोर्ट पिछले दिनों जारी की थी। इसमें सामने आया था कि देश की कुल 512 महिला सांसदों और विधायकों में से 28 प्रतिशत यानी 143 पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इनमें से 78 (15 प्रतिशत) पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर आरोप हैं। अगर महिलाओं से जुड़े अपराधों की बात करें तो इस मामले में पश्चिम बंगाल अव्वल तो आंध्र दूसरे नंबर पर है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने हाल ही में संसद में 130वां संविधान संशोधन विधेयक पेश किया है। इस विधेयक में प्रावधान है कि यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री किसी आपराधिक मामले में गिरफ्तार होकर 30 दिन तक जेल में रहते हैं, तो उन्हें पद से हटाया जा सकेगा। वर्तमान में स्थिति यह है कि देशभर में 45 प्रतिशत विधायक और 46 प्रतिशत सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

नजरिया

अवधेश कुमार

लेखक दिल्ली निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भागवत के शताब्दी संवाद से निकले संदेश

संघ के सरसंचालक डॉ. मोहन भागवत ने शताब्दी वर्ष कार्यक्रम के औपचारिक शुरुआत के पूर्व ही विज्ञान भवन में दो दिनों तक बातें रखीं तथा तीसरे दिन प्रश्नों के उत्तर दिए तो निश्चय ही इसका अपना व्यापक उद्देश्य हो रहा होगा। तीन दिनों का ऐसा कार्यक्रम,जिसमें उठने वाले अधिकतर प्रश्नों के उत्तर आ गए हों उनके एक-एक बिंदु का विस्तार से विवरण देना संभव नहीं हो सकता। बिल्कुल सरल, सहज, सामान्य भाषा और शब्दावलियों में संघ किन स्थितियों में और क्यों उत्पन्न हुआ, प्रयोजन क्या है, अभी तक यात्रा के अनुभव कैसे आए, संगठन के नाते उसका चरित्र कैसा है तथा आगे समाज, देश और विश्व की दृष्टि से किन लक्ष्यों और योजनाओं पर सक्रिय है एवं रहेगा आदि विषयों को समझा देना सामान्य बात नहीं है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से राजधानी दिल्ली में 100 वर्ष की संघ - यात्राः नए क्षितिज पर तीन दिवसीय संवाद सत्र का आयोजन हो तो देश और विदेश में उस पर गंभीरता से चर्चा और विमर्श बिल्कुल स्वाभाविक है। राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के बवंडरों के बीच सार्थक और सकारात्मक संवाद को मीडिया में सर्वत्र स्थान मिलना बताता है कि धीरे-धीरे बौद्धिक और सक्रिय वर्ग के अंदर संघ के प्रति कायम मानसिकता में अनुकूल बदलाव आ रहा है। संघ के सरसंचालक डॉ मोहन भागवत ने शताब्दी वर्ष कार्यक्रम के औपचारिक शुरुआत के पूर्व ही विज्ञान भवन में दो दिनों तक बातें रखीं तथा तीसरे दिन प्रश्नों के उत्तर दिए तो निश्चय ही इसका अपना व्यापक उद्देश्य हो रहा होगा। तीन दिनों का ऐसा कार्यक्रम, जिसमें उठने वाले अधिकतर प्रश्नों के उत्तर आ गए हों उनके एक-एक बिंदु का विस्तार से विवरण देना संभव नहीं हो सकता। बिल्कुल सरल, सहज, सामान्य भाषा और शब्दावलियों में संघ किन स्थितियों में और क्यों उत्पन्न हुआ, प्रयोजन क्या है, अभी तक यात्रा के अनुभव कैसे आए, संगठन के नाते उसका चरित्र कैसा है तथा आगे समाज, देश और विश्व की दृष्टि से किन लक्ष्यों और योजनाओं पर सक्रिय है एवं रहेगा आदि विषयों को समझा देना सामान्य बात नहीं है। आलोचक और विरोधी कुछ भी कहे, किंतु क्या हमारे देश में कोई संगठन है, जो अपने चिंतन या विचारधारा, संपूर्ण समाज, देश और विश्व की कल्पना तथा उन दृष्टियों से किए जाने वाले कार्यों को राजधानी दिल्ली और आसपास के बौद्धिक वर्ग, एक्टिविस्टों, एनजीओ, पत्रकारों, विदेशी राजनयिकों तथा समाज के इस हर क्षेत्र में सक्रिय प्रतिनिधियों को बुलाकर तीन दिनों तक संवाद कर सके?

आज के भारत और विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखें तो इस संवाद का सबसे महत्वपूर्ण स्वरुप किसी के लिए भी एक शब्द विरोध या कटुता तथा निराशा भाव का लेश मात्रा भी उपस्थित नहीं होना। आरंभ में डॉ भागवत ने स्पष्ट किया कि संघ की उत्पत्ति का मूल तथा प्रयोजन एक ही है जो हम प्रतिदिन शाखा में प्रार्थना के बाद कहते हैं- भारत माता की जय।हमारा देश भारत विश्व गुरु बने पहले दिन भी यह हमारा ध्येय था और आगे भी रहेगा। विश्व गुरु का अर्थ किसी को सीख देना नहीं अपने व्यवहार से आदर्श उत्पन्न करना ताकि दूसरे हमसे सीखें। भारत इसलिए कि हर देश का अपना ध्येय होता है जिसे उसे प्राप्त करना पड़ता है। भारत का ध्येय संपूर्ण विश्व का कल्याण है। केवव भारतीयों ने ही अपने अंदर देखते - देखते संपूर्ण ब्रह्मांड से साक्षात्कार किया। तो स्वयं को ब्रह्मांड का अंग मानने वाला भारत कभी संकुचित स्वार्थ या दूसरों को कुचलने उन पर प्रभुत्व जमाने का चरित्र अपना ही नहीं सकता। इस देश ने दूसरों के कल्याण के लिए अपने स्वार्थ को तिलांजलि देने का उदाहरण प्रस्तुत किया है। संघ के आविर्भाव के पीछे डॉ केशव बलिराम हेडगेवार की स्वतंत्रता आंदोलन की सक्रिय भूमिका थी। उन्होंने क्रांतिकारी धारा, उसके बाद कांग्रेस,समाज सुधार और धर्म सुधार आंदोलनों की अपनी भूमिकाओं से समझा कि जिन कारणों से भारत लंबे समय तक गुलामी झेलता रहा उनको दूर करना तथा फिर वैसी स्थिति उत्पन्न न होने देना ही एकमात्र रास्ता है। इसीलिए उन्होंने हिंदू समाज के संगठन के रूप में संघ के शुरुआत की घोषणा 1925 में की। इसके साथ सुनिश्चित किया कि संघ

केवल शाखा के माध्यम से उस रूप में मनुष्य का निर्माण करेगा, स्वयंसेवक बनाएगा। संघ इसके अलावा कुछ नहीं करेगा लेकिन स्वयंसेवक सब कुछ करेंगे।

बनी बनाई धारणाओं से बाहर निकाल कर देखें तो संघ का यही चरित्र आपको प्रत्यक्ष दिखाई पड़ेगा। जिन्हें संघ का अनुषांगिक क्षेत्र कहा जाता है वे सारे संगठन स्वयंसेवकों द्वारा आरंभ किए गए। वे संघ के स्वयंसेवक हैं, इसलिए उनके साथ प्रत्यक्ष जुड़ाव रहता है। लेकिन जैसा भागवत ने कहा हम नियंत्रित नहीं करते सभी स्वायत्त हैं। नए क्षितिज के व्याख्यान में भागवत ने पांच परिवर्तनों की बात की। पिछले 1 वर्ष से संघ की ओर से पांचो विषय अर्थात कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता,पर्यावरण तथा नागरिक कर्तव्य बोध देश के सामने रखे जा रहे हैं। समाज संबंधहीनता की ओर बढ़ रहा है तथा परिवार परंपरा कमजोर होने, टूटने से ऐसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं जिनका कोई समाधान नहीं। इसलिए शताब्दी वर्ष में सबसे ज्यादा जोर इसी पर है। सामाजिक समरसता यानी समाज में कोई ऊंच-नीच नहीं, छुआछूत नहीं

डॉ भागवत ने कहा कि आज जाति की भूमिका है नहीं,लेकिन हमारे अंदर यह है कि हम फलां जाति के वह फलां जाति के और इससे ऊंच- नीच का भाव पैदा होता है। तो श्मशान, पानी और देवस्थान सभी के लिए ये समान रूप से उपलब्ध हों, हमारे एक दूसरे के घर जाने-आने का संबंध विकसित हो। स्वदेशी- जो कुछ देश में उपलब्ध है पहले उसे लें उसके बाद विदेशी की ओर। विकास के वर्तमान ढांचे ने पूरे विश्व के समक्ष पर्यावरण का ऐसा संकट पैदा किया जिससे हमारा अस्तित्व खतरे में है। रास्ता प्रकृति को केंद्र में रखकर जीवन प्रणाली अपनाना है। चाहा है वहां से एकाएक नहीं मुड़ सके थे लेकिन धीरे-धीरे टर्न होना पड़ेगा। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर अपने देश व समाज के प्रति दायित्व पालन का चरित्र पैदा हो। संविधान, कानून और व्यक्तिगत सामाजिक गरिमा के स्पालन करने का सामूहिक चरित्र ही भारत को विश्व गुरु बनाएगा। स्वयंसेवक पूरे वर्ष लोगों के बीच यही बिंदु लेकर जाएंगे।

इनमें वे विषय भी आए जिन पर सबसे ज्यादा विवाद खड़े होते हैं। अर्थात हिंदू ही क्यों ? भागवत ने कहा कि आप हिंदवी कहिए भारतीय कहिए हमें आपत्ति नहीं है। हिंदू का कंटेंट यानी विषय वस्तु हमारे लिए महत्वपूर्ण है। हिंदू यानि व्यापक व उधर सोच तथा व्यवहार। हम अपने विचार,संस्कृति पर गर्व करें लेकिन दूसरे का जो है उसे सम्मान दें, उनसे नफरत न करें। मुसलमानों और ईसाइयों से विरोध और नफरत क्यों? भागवत ने कहां कि रामकृष्ण परमहंस ने तीनों पद्धतियों से साधना कर बताया कि सब एक ही जगह पहुंचते हैं। यहीं पर उन्होंने कहा कि 40 हजार वर्षों से हमारा डीएनए एक है केवल कर्मकांड बदला है। भागवत ने कहा कि मुसलमानों के अंदर भय पैदा किया कि आप उनके साथ मिलकर रहोगे तो मजहब खत्म हो जाएगा और हमारे अंदरभाव है कि इन्होंने लड़ाइयां लड़ीं, धर्म परिवर्तन किया, देश बांटा, इसलिए इनको शंका से देखो। इन दोनों से बाहर निकल परस्पर संवाद और सहकार की आवश्यकता है। तो हिंदू, मुसलमान औल ईसाई आदि को लेकर यही है संघ की सोच। राष्ट्रभाषा भारत की सभी भाषाएं राष्ट्रभाषा है। हां, व्यवहार के लिए कोई एक भाषा अखिल भारतीय होनी चाहिए। अंग्रेजी सीखने जानने में बुराई नहीं है क्योंकि उनमें भी हमारे लिए बहुत कुछ है किंतु अंग्रेजी या विदेशी भाषा हमारी राष्ट्रभाषा नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि हस्ताक्षर हम अपनी भाषा में शुरू करें और इसे लेकर गर्व करें। भारत को समझने के लिए संस्कृत जानना चाहिए लेकिन हम इसे अनिवार्य नहीं कर सकते। सरकार और नीतियों के संदर्भ में इतना ही कि हमारी विशेषज्ञता शाखा लगाने, मनुष्य निर्माण करने की और उनकी विशेषज्ञता राजनीति करने,सरकार चलाने की है। वह अपना काम करते हैं हम अपना काम। हमें कुछ समझ में आता है तो सुझाव देते हैं। संघ भाजपा को नहीं चलाता और चला भी नहीं सकता है। सबसे बढ़कर मोहन भागवत ने यह कहा कि हम किसी को भी अपना विरोधी और शत्रु मानकर व्यवहार नहीं करते, इसीलिए कल के अनेक विरोधी आ साथ हैं और कल और भी आएंगे। विरोध करने वाले भी अपने ही हैं यह मानकर स्वयंसेवक व्यवहार करते हैं और यही बना रहेगा। सबके बावजूद उनका आग्रह था कि आप धारणाओं के आधार पर या हमारे कहे अनुसार संघ को मत मानिए अंदर आकर इसे देखिए समझिए।

भागवत के पूरे संवाद को निष्पक्ष होकर देखें तो निष्कर्ष आएगा कि 100 वर्षों की उम्र सीमा में पहुंचने के बाद विचारधारा तथा स्वयंसेवकों द्वारा विविध क्षेत्रों में किए गए कार्यों के अनुभव ने संगठन के अंदर अतुलनीय आत्मविश्वास उत्पन्न किया है, समाज, देश और विश्व के व्यवहारिक यथार्थ की समझ विकसित होने के साथ उनके समाधान के रास्तों की भी गहरी अनुभूति हुई है। यही कारण है कि शताब्दी वर्ष पर उपलब्धियां और उत्सव मनाने की जगह भागवत ने संवाद के दूसरे दिन उन रास्तों पर कार्य करने की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। हालांकि वहां उपस्थित जनसमूह के अलावा सोशल मीडिया या मुख्य मीडिया के माध्यम से देखा, पढ़ा, जाना उनमें से हर कोई अपनी सोच के अनुसार कुछ बिंदु निकल सकता है। कुल मिलाकर कहा सकते हैं कि यह संवाद विरोधियों के अंदर संघ पर पुनर्विचार करने, समर्थकों के अंदर सोच को सही धरातल पर खड़ा करने एवं स्वयंसेवकों के भीतर दायित्व बोध के साथ अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करने वाला माना जाएगा।

पर्यावरण

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

एक चेतावनी है अफगानिस्तान का भूकंप

भूकंप की चेतावनी संबंधी प्रणालियां अनेक देशों में संचालित हैं लेकिन वह भू-गर्भ में हो रही दानवी हलचलों की सटीक जानकारी समय पूर्व देने में लगभग असमर्थ हैं। क्योंकि प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने वाले अमेरिका, जापान, भारत, नेपाल, चीन और अन्य देशों में भूकंप आते ही रहते हैं। इसलिए यहां लाख टके का सवाल उठता है कि चांद और मंगल जैसे ग्रहों पर मानव बस्तियां बसाने का सपना और पाताल की गहराइयों को नाप लेने का दावा करने वाले वैज्ञानिक आखिर पृथ्वी के नीचे उत्पात मचा रही हलचलों की जानकारी प्राप्त करने में क्यों असफल हैं ? जबकि वैज्ञानिक इस दिशा में लंबे समय से कार्यरत हैं। अमेरिका एवं भारत समेत अनेक देश मौसम व भूगर्भीय हलचल की जानकारी देने वाले अनेक उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित कर चुके हैं। हिंदूकुश क्षेत्र में आया यह भूकंप भारत के लिए भी चेतावनी हैं। क्योंकि हमारे यहां भी कई राज इस लिहाज से संवेदनशील है। दरअसल दुनिया के नामचीन विशेषज्ञों व पर्यावरणविदों की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि उन्हें विकराल बनाने में मानवीय हस्तक्षेप शामिल है। इसीलिए इस भूकंप को स्थानीय भू-गर्भीय विविधता का कारण माना गया है।

31 अगस्त 2025 की मध्य रात्रि के बाद पूर्वी अफगानिस्तान में 6.0 तीव्रता के आए भूकंप ने बड़ी त्रासदी रच दी। करीब 1400 लोग काल के गाल में समा गए और 3000 से ज्यादा लोग घायल हो गए। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर जलालाबाद नगर से 27 किमी पूर्व में था। इसकी गहराई मात्र 8 से 10 किमी थी। भूकंप से कई गांव पूरी तरह मलबे में दबकर बर्बाद हो गए। सबसे अधिक तबाही नंगरहार में हुई है। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भी इसे 6.0 तीव्रता का उथला भूकंप बताया है। उथले भूकंप गर्भ से भूमि की सतह पर फूटने के साथ भीषण बर्बादी का कारण बनते हैं। संसाधनों से अभावग्रस्त तालिबान सरकार ने बचाव कार्य षुरू कर दिए हैं, लेकिन भूकंप का प्रभाव ऐसे दुर्गम क्षेत्रों में हैं, जहां पहुंच आसान नहीं है। अफगानिस्तान में भूकंपों का आना लगा ही रहता है। 1998 में आए भूकंप में 7,500 लोग मारे गए थे, वहीं मार्च 2002 में हिंदूकुश में 1000, हिंदूकुश में ही 2015 में 399, खोस्त में 2022 में 1000 और हैरात में 2023 में 6.3 तीव्रता के आए भूकंप के 2000 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

अफगानिस्तान हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला में है, जहां यूरोएशियन परत, अरेबियन परत और इंडियन परत के परस्पर टकराव से भूकंप आते है। यह प्रतिवर्ष 100 से ज्यादा भूकंप आते है। लेकिन 6.0 तीव्रता के ऊपर का भूकंप असाधारण होता है। यहां भारतीय परत का यूरोएशियन परत से टकराव मिमी वर्षा की गति से होता है। नंगरहार और कुनार पूर्वी प्रांत पाकिस्तान सीमा पर हैं। जहां दोष रेखाएं (फाल्ट लाइंस) सक्रिय है। जलवायु परिवर्तन के चलते इस पूरे क्षेत्र में भूस्खलन का खतरा भी मंडरा रहा है। इस कारण इस भूकंप से नुकसान कहीं अधिक हुआ है।

भूकंप की चेतावनी संबंधी प्रणालियां अनेक देशों में संचालित हैं लेकिन वह भू-गर्भ में हो रही दानवी हलचलों की सटीक जानकारी समय पूर्व देने में लगभग असमर्थ हैं। क्योंकि प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने वाले अमेरिका, जापान, भारत, नेपाल, चीन और अन्य देशों में भूकंप आते ही रहते हैं। इसलिए यहां लाख टके का सवाल उठता है कि चांद और मंगल जैसे ग्रहों पर मानव बस्तियां बसाने का सपना और पाताल की गहराइयों को नाप लेने का दावा करने वाले वैज्ञानिक आखिर पृथ्वी के नीचे उत्पात मचा रही हलचलों की जानकारी प्राप्त करने में क्यों असफल हैं ? जबकि वैज्ञानिक इस दिशा में लंबे समय से कार्यरत हैं। अमेरिका एवं भारत समेत अनेक देश मौसम व भूगर्भीय हलचल की जानकारी देने वाले अनेक उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित कर चुके हैं। हिंदूकुश क्षेत्र में आया यह भूकंप भारत के लिए भी चेतावनी हैं। क्योंकि हमारे यहां भी कई राज इस लिहाज से संवेदनशील है। दरअसल दुनिया के नामचीन विशेषज्ञों व पर्यावरणविदों की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि उन्हें विकराल बनाने में मानवीय हस्तक्षेप शामिल है। इसीलिए इस भूकंप को स्थानीय भू-गर्भीय विविधता का कारण माना गया है।

दरअसल प्राकृतिक संसाधनों के अकूत दोहन से छोटे स्तर के भूकंपों की पृश्ठभूमि तैयार हो रही है। भविष्य में इन्हीं भूकंपों की व्यापकता और विकरालता बढ़ जाती है। यही कारण है कि भूकंपों की आवृत्ति बढ़ रही है। पहले 13 सालों में एक बार भूकंप आने की आशंका बनी रहती थी, लेकिन अब यह घटकर 4 साल हो गई है। यही नहीं आए भूकंपों का वैज्ञानिक आकलन करने से यह भी पता चला है कि भूकंपीय विस्फोट में जो ऊर्जा निकलती है, उसकी मात्रा भी पहले की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली हुई है। 25 अप्रैल 2015 को नेपाल में जो भूकंप आया था, उनसे 20 थर्मोन्यूक्लियर हाइड्रोजन बमों के बराबर ऊर्जा निकली थी। यहां हुआ प्रत्येक विस्फोट हिरोशिमा-नागाशाकी में गिराए गए परमाणु बमों से भी कई गुना ज्यादा ताकतवर था। जापान और फिर क्रोटो में आए सिलसिलेवार भूकंपों से पता चला है कि धरती के गर्भ में अंगड़ाई ले रही भूकंपीय हलचलें महानगरीय आधुनिक विकास और आबादी के लिए अधिक खतरनाक साबित हो रही हैं। ये हलचलें भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की धरती के नीचे भी अंगड़ाई ले रही हैं। इसलिए इन देशों के महानगर भूकंप के मुहाने पर खड़े हैं। विकास की अंधी दौड़ में पर्यावरण की अनदेखी प्रकृति को प्रकोप में बदल रही है। इसलिए बाढ़, भू-स्खलन, सूखा, हिमनदों का पिघलना, भूकंप और सुनामी जैसे तूफानों का आना निरंतर बना हुआ है।

भूकंप आना कोई नई बात नहीं है। पूरी दुनिया इस अभिशाप को झेलने के लिए जब-तब विवश होती रही है। बावजूद हैरानी इस बात पर है कि विज्ञान की आश्चर्यजनक तरक्की के बाद भी वैज्ञानिक आज तक ऐसी तकनीक ईजाद करने में असफल रहे हैं, जिससे भूकंप की जानकारी आने से पहले मिल जाए। भूकंप के लिए जरूरी ऊर्जा के एकत्रित होने की प्रक्रिया को धरती की विभिन्न परतों के आपस में टकराने के सिद्धांत से आसानी से समझा जा सकता है। ऐसी वैज्ञानिक मान्यता है कि करीब साढ़े पांच करोड़ साल पहले भारत और आस्ट्रेलिया को जोड़े रखने वाली भूगर्भीय परतें एक-दूसरे से अलग हो गईं और वे यूरेशिया परत से जा टकराईं। इस टक्कर के फलस्वरूप हिमालय पर्वतमाला अस्तित्व में आई और धरती की विभिन्न परतों के बीच वर्तमान में मौजूद दरारें बनीं। हिमालय पर्वत उस स्थल पर अब तक अटल खड़ा है, जहां पृथ्वी की दो अलग-अलग परतें परस्पर टकराकर एक-दूसरे के भीतर घुस गई थीं। परतों के टकराव की इस प्रक्रिया की वजह से हिमालय और उसके प्रायद्वीपीय क्षेत्र में भूकंप आते रहते हैं। इसी प्रायद्वीप में ज्यादातर एशियाई देश बसे हुए हैं।

वैज्ञानिकों का मानना है कि रासायनिक क्रियाओं के कारण भी भूकंप आते हैं।

भूकंपों की उत्पत्ति धरती की सतह से 30 से 100 किमी भीतर होती है। इससे यह वैज्ञानिक धारणा भी बदल रही है कि भूकंप की विनाशकारी तरंगें जमीन से कम से कम 30 किमी नीचे से चलती हैं। ये तरंगे जितनी कम गहराई से उठेंगी, उतनी तबाही भी ज्यादा होगी और भूकंप का प्रभाव भी कहीं अधिक बड़े क्षेत्र में दिखाई देगा। लगता है अब कम गहराई के भूकंपों का दौर चल पड़ा है। मैक्सिको में सितंबर 2017 में आया भूकंप धरती की सतह से महज 40 किमी नीचे से उठा था। इसलिए इसने भयंकर तबाही का ताडंव रचा था। तिब्बत में आए भूकंप की गहराई तो मात्र 10 किमी आंकी गई है और अब यह अफगानिस्तान का भूकंप मात्र 8 से 10 किमी की गहराई से उठा था।

दरअसल सतह के नीचे धरती की परत ठंडी होने व कम दबाव के कारण कमजोर पड़ जाती है। ऐसी स्थिति में जब चट्टानें दरकती हैं तो भूकंप आता है। कुछ भूकंप धरती की सतह से 100 से 650 किमी के नीचे से भी आते हैं, लेकिन तीव्रता धरती की सतह पर आते-आते कम हो जाती है, इसलिए बड़े रूप में त्रासदी नहीं झेलनी पड़ती। दरअसल इतनी गहराई में धरती इतनी गर्म होती है कि एक तरह से वह द्रव रूप में बदल जाती है। इसलिए इसके झटकों का असर धरती पर कम ही दिखाई देता है। बावजूद इन भूकंपों से ऊर्जा बड़ी मात्रा में निकलती है। धरती की इतनी गहराई से प्रगट हुआ सबसे बड़ा भूकंप 1994 में बोलिविया में रिकॉर्ड किया गया है। पृथ्वी की सतह से 600 किमी भीतर दर्ज इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 8.3 मापी गई थी। इसीलिए यह मान्यता बनी है कि इतनी गहराई से चले भूकंप धरती पर तबाही मचाने में कामयाब नहीं हो सकते हैं, क्योंकि चट्टानें तरल द्रव्य के रूप में बदल जाती हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

दृष्टिकोण

अनिल त्रिवेदी

लेखक अभिभाषक हैं।

स्त्री - पुरुष दोनों ही संपूर्ण मनुष्य हैं !

जीवन के प्रारंभ से ही स्त्री पुरुष साथ-साथ रहते आए हैं। मानव इतिहास के सारे संघर्षों में नर नारी का साथ रहा है। इसके बाद भी आज तक नर नारी के संबंधों में गैर बराबरी बढ़ती ही दिखाई देती है। आज का काल नारी सशक्तिकरण की दिशा में निरन्तर कदम बढ़ाते रहने वाला काल कहे जाने के बाद भी स्त्री की आजादी के स्वर कई स्तरों पर कई तरह से उठ रहे हैं। आज दुनिया भर में स्त्री - पुरुष की स्थिति एक समान नहीं है। समाजवादी चिंतक डॉ राममनोहर लोहिया ने नर- नारी समता के सवाल को उठाया था। आज के काल में दुनिया भर में स्त्री की भूमिका पहले की अपेक्षा लोकजीवन के हर क्षेत्र में प्रभावी हुई है। पर परिवार तक ही स्त्री की भूमिका या मर्यादा का काल आज शहरी समाज में कुछ हद तक कम होता दिखने के बाद भी अधिकांश स्त्रियों का जीवन घर -परिवार तक ही सीमित है।

जिस तेजी से भारतीय समाज का सोच और रहन-सहन बदल रहा है,उसी तेजी से स्त्री - पुरुष का सोच और रहन- सहन भी बदल रहा है। जब दुनिया भर में मनुष्य - मनुष्य के बीच सहज संवाद का काल था तब समाज तो छोड़िये, घर परिवार के सारे सदस्यों के साथ भी सीधी बात चीत तक की सुविधा स्वतंत्रता नहीं थी। भारत सहित कई देशों में आज भी यह परंपरा चल आ रही है कि स्त्री अपने जीवन साथी का नाम सबके सामने नहीं ले सकती। टेलीफोन के जमाने में भी स्त्री को बातचीत की संपूर्ण स्वतंत्रता नहीं हुई जो आज के मोबाइल और इंटरनेट के युग में उसे सहज ही मिल गई है। मोबाइल और इंटरनेट के आगमन ने स्त्री संवाद पर पुरुष सेंसरशिप को लगभग खत्म कर दिया है। आज के युग में एक यंत्र ने स्त्री को वह आजादी बिना किसी संघर्ष के वैश्विक स्तर पर दिला दी जिसे पाने के लिए आज भी जीवन के अन्य मामलों या क्षेत्रों में उसे नित नये सवाल उठाना पड़ रहे हैं या मोर्चे निकालना पड़ रहे हैं।

आज के समय में एक सवाल स्त्री पक्ष की ओर से यह भी उठा है कि हम क्या पहने? कैसा पहने? कैसे रहे? कैसे जीये? इससे किसी को क्या? हमारी जिंदगी हमारी है, उसे कैसे जीयें? इसे कोई और क्यों?हम स्वयं तय करेंगी। असल में बुनियादी सवाल यह नहीं है कि कौन तय करेगा या कि कौन क्या करेगा या कौन कैसे रहे? बुनियादी सवाल मुझे लगता है यह है कि स्त्री पुरुष एक दूसरे को किस तरह से देखते हैं? आज सबसे बड़ी ग़लती यह हो रही है कि स्त्री स्त्री को स्त्री के रूप में ही देखती है और पुरुष पुरुष को पुरूष रुप में ही देखता है।

इस दृष्टि भेद के कारण ही मानव समाज एक समग्र मानव दृष्टि वाला समाज न होकर स्त्री -पुरुष दृष्टि में बटा हुआ समाज बन गया। स्त्री पुरुष दोनों ही पूर्ण मनुष्य है पर दोनों ही अपने आप को समग्र मानव दृष्टि से एकाकार नहीं कर कर पाते।इसी का नतीजा है कि हमारी संपूर्ण ज़िन्दगी दो नजरिए या दो भूमिकाओं में बट गई। हम सदियों से साथ रहते हुए भी सहमना साथी नहीं बन पाए। मानव इतिहास में कभी भी पुरुष सशक्तिकरण की बात नहीं उठी पर स्त्री सशक्तिकरण को प्रगति की दिशा में बढ़ा हुआ क़दम माना गया। मानव सभ्यता में समग्र मनुष्यत्व को सशक्त करने के बजाय केवल स्त्री के सशक्तिकरण की बात उठी। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि शायद हम मूल रूप से यह मानकर ही चल रहे हैं कि पुरुष अपने आप में सशक्त या संपूर्ण है और उसे स्त्री को सशक्त बनाने की विशेष भूमिका निभाना चाहिए। स्त्री पुरुष दोनों के ही मूलतः एकांगी दृष्टिकोण के कारण ही मानव समाज में बराबरी का या आपस में साथी भाव नहीं बन पाया। स्त्री पुरुष सहजीवन का प्राकृतिक इतिहास होने के बाद भी दोनों की जीवन दृष्टि में भिन्नता ही इस मनुष्यकृत विसंगति का मूल है। इसे समझें या स्वीकार किए बिना ही आज तक हम अंतहीन बहस व मत विमत में उलझे हुए हैं।

स्त्री पुरुष की सृष्टि अपने आप में अभिन्न रूप में में ही हुई है, फिर भी हम भिन्न दृष्टिभेद के साथ ही निरंतर जीते आए हैं।इसी का नतीजा है कि हम सब स्त्री पुरुष के रहन सहन व चिंतन के मामले में समभाव से सोच और जी ही नहीं पा रहे हैं। हर मनुष्य जैसा जीना चाहे वैसा वह रह सकता है, पर हम इस समग्र दृष्टि को अमान्य कर अपने एकांगी आग्रहों को एक दूसरे पर लाद कर ही जीना चाहते हैं यही विवादों की जड़ है।

जीवन दर्शन

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

रस्साकसी सा जीवन चलते-चलते चमक उठता है

खेल खिलाड़ी खेल रहे होते हैं और देखने वाले दर्शक का जोश हाई हो रहा होता है। दर्शक की तटस्थता इस बात में होती है कि कोई भी जीते हारे वह तो बस उसी के साथ होता है जो बढ़िया से खेलता है। इसीलिए दर्शकों का जोश उस समय देखते बनता है जब हारने वाली टीम का पलड़ा भारी हो जाता है और वह रस्साकसी में रस्सी को अपनी ओर खींच रही होती है। रस्साकसी में शामिल होना रस्साकसी के खेल को देखना एक तरह से जीवन को भी समझने जैसा ही है, जीवन क्रम में भी बहुत बार इधर से उधर जा रहे होते हैं कभी कुछ तो फिर कभी कुछ, इसी बीच जिंदगी अचानक से चमक सी जाती है। खेल और खेल भावना भी अचानक से इसी तरह से कुछ खुशियां देता है। इस खेल को देखता हूं तो बस एक बात ही समझ में आती है कि रस्साकसी का खेल केवल खेल के मैदान में ही नहीं चलता बल्कि जीवन में भी चल रहा होता है जीवन भी हर कदम पर बस खींचतान के साथ चलता रहता है । कब किसका पलड़ा भारी हो जाएं कुछ भी कहा नहीं जा सकता। बराबर से ऐसा लगता है कि कोई शक्ति है जो आपको खेल खिलाती रहती है आप सोचते कुछ और हैं और हो कुछ और जाता है।

रस्साकसी का खेल बड़ा ही दिलचस्प होता है। टीमें बंट जाती है और जोर अजमाइश शुरु हो जाती है। सब अपनी ओर खींचते हैं, अपनी ओर खींच लेना ही जीत जाने और ताकत का पैमाना होता है। हर टीम जो रस्साकसी में शामिल है वह जीत जाना चाहती है, यह एक तरह से सामूहिक शक्ति का प्रदर्शन होता है जिसमें सब अपना सबकुछ दांव पर लगाकर खेल रहे होते हैं। आप रस्साकसी करें और धूल धूसरित न हों यह संभव ही नहीं और आखिरी खिलाड़ी तक इस खेल में अपनी पूरी ताकत को झोंक कर रख देता है। खेल खिलाड़ी खेल रहे होते हैं और देखने वाले दर्शक का जोश हाई हो रहा होता है। दर्शक की तटस्थता इस बात में होती है कि कोई भी जीते हारे वह तो बस उसी के साथ होता है जो बढ़िया से खेलता है। इसीलिए दर्शकों का जोश उस समय देखते बनता है जब हारने वाली टीम का पलड़ा भारी हो जाता है और वह रस्साकसी में रस्सी को अपनी ओर खींच रही होती है। रस्साकसी में शामिल होना रस्साकसी के खेल को देखना एक तरह से जीवन को भी समझने जैसा ही है, जीवन क्रम में भी बहुत बार इधर से उधर जा रहे होते हैं कभी कुछ तो फिर कभी कुछ, इसी बीच जिंदगी अचानक से चमक सी जाती है। खेल और खेल भावना भी अचानक से इसी तरह से कुछ खुशियां देता है। इस खेल को देखता हूं तो बस एक बात ही समझ में आती है कि रस्साकसी का खेल केवल खेल के मैदान में ही नहीं चलता बल्कि जीवन में भी चल रहा होता है जीवन भी हर कदम पर बस खींचतान के साथ चलता रहता है । कब किसका पलड़ा भारी हो जाएं कुछ भी कहा नहीं जा सकता। बराबर से ऐसा लगता है कि कोई शक्ति है जो आपको खेल खिलाती रहती है आप सोचते कुछ और हैं और हो कुछ और जाता है। आदमी के हाथ में बहुत कुछ होता नहीं पर वह न जाने कहां से कहां तक भटकता रहता है। रस्साकस्सी जो जारी है खेल के मैदान से वह जीवन में, पथ पर और विचारों में एक साथ घूमता रहता है। कोई एक पथ या एक दुनिया या एक जैसा सोचने का तरीका नहीं होता कि आपने सोच लिया और वह पूरी दुनिया पर लागू हो गया। दुनिया तो बस पृथ्वी के साथ साथ घूमती रहती है। इस घूमती हुई दुनिया में आप अपनी उपस्थिति यदि दर्ज कराना चाहते हैं तो आपको खाली हाथ नहीं बल्कि अपने पूरे विचारों के साथ, पूरी उर्जा के साथ आना होगा । इस दुनिया में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए आपको सोचना पड़ता है, अपने विचारों के साथ चलना पड़ता है और अपने विचारों के लिए संघर्ष भी करना पड़ता है। जो विचार जो बात जो संदर्भ शक्तिशाली होते हैं वे जीवित रहते हैं। कुछ बातें कुछ विचार कुछ दिनों तक तेज गति से आगे आते हैं फिर दूसरे विचार जगह ले लेते हैं। यह एक तरह से विचार-विमर्श की रस्साकसी जैसा ही है, जो सही है जो उचित है वह टिकेगा और जो जर्जर है वह टूटेगा।

यहां कुछ भी स्थाई जैसा नहीं होता, एक तरह से दुनिया बनती बिगड़ती रहती है। दुनिया को समझने के लिए भी आदमी बहुत बार रस्साकसी को देखने लगता है। यह रस्साकसी हर कहीं हर जगह हर किसी के साथ होती रहती है। कोई भी क्यों न हो वह कुछ करें या न करें पर उसे रस्साकसी तो करवानी ही है। यहां अपना पूरा कला कौशल शुरु से आखिरी छोर तक दिखाई देता है। ऐसा भी नहीं हो सकता है कि आप चाहकर भी कुछ करा सकें। रस्साकस्सी का खेल पृथ्वी पर जबसे जीवन है तभी से वह रस्साकसी में ही उलझा है। बहुत बार आदमी रस्साकसी इसलिए करता है कि वह अपने आगे पीछे के विचारों को सुलझाते हुए यदि चलता है तो कुछ भी फरक नहीं पड़ता। रस्साकस्सी केवल रस्सी खींचने तक सीमित नहीं है। यह सब हमारी सेहत से जुड़ा मामला है। सेहत के लिए, विचार के लिए, जीवन के लिए रस्साकसी कर रहे है। आदमी को जहां जाना है तो जाएं। किसी ने किसी को कुछ नहीं कहा और दुनिया है आदमी को भ्रम में डाल कर बहुत दिनों तक बहुत सारी खुशियां लेकर बैठ जाती है । रस्साकसी चलते रहना चाहिए। मन वचन और कर्म से आदमी को रस्सी के एक तरफ रहना ही होता है। यह भी तय है कि जो रस्सी को लेकर बैठा है वह बहुत सारी उम्मीदों का पिटारा लेकर बैठा होता है। रस्सा खींचने से पहले आदमी को स्वयं को भी साधने की कला में बंधने के लिए तैयार होना पड़ता है। रस्साकसी विचारों की भी करते रहना चाहिए। जिससे मन मिले उसे खींच ले न मिले तो धकेल दें। जब किसी को धकेलते हैं तो जाहिर है कि वह गिरेगा और इस तरह से गिरेगा की बहुत दिनों तक उस जगह पर दर्द से कराहता रहता है। इस दर्द की दवा भी रस्सी है और रस्सी को छोड़कर कहीं जा नहीं सकते। यह खेल एक तरह से जीवन को तरह तरह की दक्षता से जोड़ने का काम करता है। बड़ा ही निराला खेल है। रुकता ही नहीं है। यह खेल है और खेल एक न एक क्रम लिए चलता रहता है । ऐसा लगता है कि आदमी जबसे इस पृथ्वी पर आया होगा तभी से रस्साकसी ही कर रहा है। इससे बढ़िया कोई और कार्य वह कर ही नहीं सकता। कहते हैं कि जिस किसी ने रस्साकसी नहीं की वह जीवन ही नहीं जीया। इस छोर से उस छोर तक जो आवाजाही है वह मूलतः रस्साकसी का ही परिणाम है। सारा जोर आजमाइश अपने को सिद्ध करने के लिए होता है। एक आदमी हजारों ढ़ंग से अपना खेल दिखाने के लिए चलता है। मजबूती , ताकत और शक्ति सब एक साथ रस्साकसी के संग हवा में तैर जाते हैं। वैचारिक दृढ़ता की तरह खेल भूमि में भी आदमी मन के साथ, जीवन के साथ और जोश व उमंग को लिए ऐसे चलता है कि बस उसे ही जीतना है। यह जीत जाने का जो जज्बा है वही आपको इस दुनिया में सफल बनाने के लिए काफी होता है और इस जज्बे की हर मोड़ पर जरूरत होती है। रस्साकसी मूलतः जीवन जीने का जज्बा है और इस जज्बे में सब शामिल होते हैं क्या खिलाड़ी क्या दर्शक और क्या विचार में मगन रहने वाले द्रष्टा।

वक्रोक्ति

जवाहर चौधरी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

साहित्य के विकास में बैठना एक समस्या

वो क्या है साब ,अपनी तो कुण्डली में ही लिखा है कि साहित्यसेवी बनेंगे। हिन्दी सेवा और साहित्य सेवा के अलावा कभी कुछ सोचा भी नहीं हमने । और देख लेना एक दिन आएगा जब आप जैसे गुणीजन कहेंगे कि '' हां .....! ये हुआ ना कुछ ! '' ..... पर भाई दिक्कत ये है कि लिखने के लिये बैठना पड़ता है और अपने से बैठने की तो बनती ही नहीं है । '' पचपन-पार चार यार खड़े बतिया रहे हैं। कार्यक्रम शुरू होने में अभी देर है । इधर के साहित्यिक कार्यक्रमों का ऐसा है कि उसके शुरू होने में हमेशा देर रहती है । आयोजकों को मालूम रहता है कि देर होगी । आने वाले भी जानते हैं कि देर होगी । जिस तरह अच्छा साहित्य समय के बंधन से परे होता है उसी तरह अच्छा साहित्यिक कार्यक्रम भी । लोग मानते हैं कि होना भी चाहिये, शादी-ब्याह, मुण्डन-घोटन तो है नहीं कि ठीक मुहुर्त पर करना जरूरी हो। लेकिन मजबूरी आदमी से क्या कुछ नहीं करा लेती है । यहां भी कुछ लोग अपनी निजी मजबूरी में समय पर आ गए है और इस समय चर्चा यानी साहित्यिक चर्चा में लीन हैं ।

मौका पाते ही दूसरे सज्जन शुरू हुए - '' भाई साब, लिखने को तो बहुत कुछ है । सच्चे लेखक को लिखने के लिये विषयों की कमी नहीं है । मैं चाहूं तो रोज दो कहानियां कागज पर काली कर दूं ..... पर वही । बैठने की प्राबलम है । ''

'' अच्छा !! ..... तो क्या आपको भी ?! ..... कब से है ! '' पहले वाले ने चौंकने का अभिनय करते हुए पूछा ।

'' क्या कब से है ?''

'' पाइल्स की शिकायत । ''

'' हिन्दी तो सही बोलो यार ! पाइल्स की शिकायत नहीं समस्या होती है । आप जैसे लोग ही आलोचकों को मौका देते हैं । '' उन्होंने चिढ़ते हुए कहा । दरअसल वे मामले को खुल्लमखुल्ला कर दिये जाने के पक्ष में नहीं थे।

'' चलियेसाब ,समस्या ही सही , ... कब से है?''

'' बरसों हो गए । ''

'' फिर तो तकलीफ भी ज्यादा होती होगी ? ''

'' क्या बताएं । ..... बैठना तो जैसे दौड़ते सांड के सींग पर सवारी करना है । .... आप तो जानते हैं कि मैंने पहले लंबी कहानियां लिखी हैं , पर अब घटते घटते लघुकथा पर आ गया हूं । ..... दस बीस मिनट से ज्यादा बैठने की बनती ही नहीं है ! '' पाइल्स और साहित्य दोनों के दर्द को एक साथ महसूसते हुए वे बोले ।

'' फिर भी यह बड़े संतोष की बात है कि इससे हमारा साहित्य समृद्ध हुआ है । अगर पाइल्स की बीमारी नहीं होती तो लघुकथाओं का वो मुकाम नहीं होता जो आज है । '' तीसरे सज्जन ने गंभीरता पूर्वक कहा ।

'' कई बार सोचता हूं कि कविताएं लिखूं ,लेकिन दर्द का अहसास कमर से उपर पहुंच ही नहीं पाता । आप तो जानते हैं कि जब तक दर्द का अहसास दिल में न हो कविता बनती ही नहीं है । ''

'' आप हइकू लिखा कीजिये । मुझे लगता है पाइल्स जापानी बीमारी है । बैठे, दुखा ,एक हाइकू जमाया ,चट्ट से उठ गए । .... क्या खयाल है ? '' चौथे सज्जन ने अपनी चुप्पी तोड़ी ।

'' क्या खाक ख्याल है !! साले जापानी , दुनिया भर का सामान बनाते हैं । अरे , पाइल्स की कोई दवा ढूँढ़ना थी, टिका दिया हाइकू । और हाइकू को चट-पट का मामला समझते हो ! पजल गेम से कम नहीं है हाइकू । टाइम लेता है । ''

'' पाइल्स का इलाज अपने आयुर्वेद में है ..... ।''

'' अच्छा !! .... कैसे पता ? कोई वैद्य-एद्य है ?''

'' वैद्य का तो पता नहीं ,पर देखिये पुराने समय में लघु कथाएं कहां लिखी जाती थी ! इसका मतलब है कि लोग लंबा बैठते थे और मजे में ग्रंथ लिखा करते थे ..... पुराण दर पुराण । ''

'' जब से ये एलोपैथी आई है भिया तभी से लघुकथाओं में संभावनाओं के द्वार खुले हैं । ''

'' एलोपैथी तो अंग्रेज लाए थे । इसका मतलब ये है कि हमारे साहित्य में एलोपैथी और अंग्रेजो का भी योगदान है !''

पहले वाले जरा नाराज होते हुए बोले - '' एकदम से निष्कर्ष पर पहुंचना ठीक नहीं है जी, इससे शोधभवना आहत होती है । ''

'' इसमें शोध का क्या है !? ''

'' हिन्दी साहित्य में शायद ही शोध जैसा कुछ होता है । लेकिन फिर भी होता ही है ,और जो भी होता है शोध भावना के कारण होता है। ''

'' चलो माना, ... पर होते तो हैं । बिलौते रहने से ही माखन की संभावना बनती है । बंद कर दोगे तो दिमाग का दही सड़ जाएगा, ...फफूंद लग जाएगी । ''

'' तो फिर किसी को सुझाइये यह विषय .....''

'' कौनसा ? ''

'' साहित्य और चिकित्सा पद्धति में अंतःसम्बन्ध - पाइल्स के विशेष सन्दर्भ में ''

'' चिकित्सा पद्धति की क्या जरूरत है ! इतना काफी है - साहित्य के विकास में पाइल्स का योगदान । ''

'' पूरे साहित्य को क्यों घसीटते हो जी ! यों कहिये कि ' लधुकथा के विकास में पाइल्स का योगदान । '

'' इसे और सूक्ष्म करिये - ' साहित्य में पाइल्स '।

'' लगता है कार्यक्रम शुरू होने में अभी काफी देर है। ''

'' हां ऐसा ही लगता है । क्यों ? ''

'' एक और विषय है जिस पर चर्चा हो जाए .....

'' कौन सा ?! ''

'' साहित्य के विकास में खुजली का योगदान । ''

मुद्दा

संदीप सृजन

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

भाषाई अभद्रता के चरम पर भारतीय राजनीति

बिहार के दरभंगा में इंडिया गठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां हीराबेन मोदी, के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की गई। एक वायरल वीडियो में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हिंदी में अपशब्दों का इस्तेमाल करते सुना गया। इस मंच पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, और तेजस्वी यादव के पोस्टर थे, हालांकि ये नेता उस समय मंच पर मौजूद नहीं थे। इस घटना ने भारतीय जनता पार्टी को आक्रामक रुख अपनाने का मौका दिया। बीजेपी ने इसे लोकतंत्र पर धब्बा और महिला विरोधी मानसिकता का उदाहरण बताते हुए कड़ी निंदा की। बीजेपी ने पटना के कोतवाली पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की और राहुल गांधी से माफी की मांग की। बीजेपी प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, राहुल गांधी, आप जिस तरह की भाषा और अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं या मंच से करवा रहे हैं, वह असहनीय है। आपको इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

भारतीय राजनीति का इतिहास विचारों की टकराहट, वैचारिक बहस और लोकतांत्रिक मूल्यों से समृद्ध रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में राजनीतिक संवाद में भाषाई अभद्रता एक गंभीर समस्या बनकर उभरी है। नेताओं के बीच नीतियों और विकास पर चर्चा की जगह व्यक्तिगत हमले, अपशब्द, और जातिगत-लैंगिक अपमान बढ़ते जा रहे हैं। यह न केवल राजनीतिक संस्कृति को दूषित कर रहा है, बल्कि सामाजिक एकता को भी कमजोर कर रहा है। हाल ही में बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है।

भाषाई अभद्रता से तात्पर्य उन भाषणों और टिप्पणियों से है जो अपशब्दों, व्यक्तिगत हमलों, जातिगत-धार्मिक अपमानों, और लैंगिक टिप्पणियों से भरे होते हैं। यह भारतीय राजनीति में कोई नई बात नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया और चौवीस घंटे न्यूज चैनलों के युग में यह चरम पर पहुंच गई है। पहले जहां नेताओं के बीच नीतिगत बहसें हुआ करती थीं, वहीं अब व्यक्तिगत हमले और अपशब्द सामान्य हो गए हैं।

बिहार के दरभंगा में इंडिया गठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां हीराबेन मोदी, के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की गई। एक वायरल वीडियो में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हिंदी में अपशब्दों का इस्तेमाल करते सुना गया। इस मंच पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, और तेजस्वी यादव के पोस्टर थे, हालांकि ये नेता उस समय मंच पर मौजूद नहीं थे।

इस घटना ने भारतीय जनता पार्टी को आक्रामक रुख अपनाने का मौका दिया। बीजेपी ने इसे लोकतंत्र पर धब्बा और महिला विरोधी मानसिकता का उदाहरण बताते हुए कड़ी निंदा की। बीजेपी ने पटना के कोतवाली पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की और राहुल गांधी से माफी की मांग की। बीजेपी प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, राहुल गांधी, आप जिस तरह की भाषा और अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं या मंच से करवा रहे हैं, वह असहनीय है। आपको इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ के उद्घाटन के दौरान इस घटना पर भावुक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मां हमारा संसार है, मां हमारा स्वाभिमान है। मेरी मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था, फिर उन्हें क्यों गाली दी गई? यह न केवल मेरी मां का अपमान है, बल्कि देश की हर मां, बहन और बेटी का अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस अपमान को माफ कर सकते हैं, लेकिन बिहार की जनता ऐसा नहीं करेगी।

कांग्रेस ने इस टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया और कहा कि यह एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा की गई थी, जिसका पार्टी से कोई संबंध नहीं है। स्थानीय युवा कांग्रेस नेता मोहम्मद नौशाद ने माफी मांगी और कहा कि ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी। हालांकि, बीजेपी ने इसे विपक्ष की संस्कृति विरोधी और महिला विरोधी मानसिकता का हिस्सा बताया। यह घटना अकेली नहीं है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही भाषाई अभद्रता के दोषी रहे हैं।

आजकल सोशल मीडिया ने नेताओं को वायरल होने की होड़ में अपशब्दों का सहारा लेने के लिए प्रेरित किया है। ट्वीट्स और वायरल वीडियो तुरंत ध्यान खींचते हैं, जिससे नेताओं का ध्यान नीतिगत मुद्दों से हटकर व्यक्तिगत हमलों पर चला जाता है। सत्ता और विपक्ष के बीच गहरा ध्रुवीकरण है। विपक्ष को घुसपैठिए या देशद्रोही और सत्ता को तानाशाह जैसे शब्दों से नवाजा जाता है, जो वैमनस्य को बढ़ाता है। न्यूज चैनल और डिबेट शो भाषाई अभद्रता को बढ़ावा देते हैं।

भाषाई अभद्रता के प्रभाव गहरे और दीर्घकालिक हैं। अपशब्द और व्यक्तिगत हमले समाज में जातिगत, धार्मिक और लैंगिक तनाव को बढ़ाते हैं। बिहार की घटना में, मां के खिलाफ टिप्पणी को हर मां का अपमान बताकर बीजेपी ने इसे सामाजिक मुद्दा बना दिया। राजनीतिक संवाद का स्तर गिरने से जनता का विश्वास लोकतांत्रिक संस्थानों पर कम होता है। लोग नेताओं को आदर्श के रूप में देखना बंद कर देते हैं। अधिकांश अपशब्द लैंगिक या जातिगत होते हैं, जिससे महिलाएं और अल्पसंख्यक समुदाय विशेष रूप से प्रभावित होते हैं।

अपशब्दों और अपमानजनक टिप्पणियों के लिए कड़े कानून बनाए जाने चाहिए। बिहार में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जो एक सकारात्मक कदम है। न्यूज चैनलों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को ऐसी सामग्री को बढ़ावा देने से रोकना चाहिए। एक स्वतंत्र निगरानी समिति बनाई जा सकती है। नेताओं को अपनी भाषा और व्यवहार पर नियंत्रण रखना चाहिए। जैसा कि पत्रकार रजत शर्मा ने अपने ट्वीट में कहा, लफ्जों का इस्तेमाल शालीनता से अपनी बात कहने के लिए करना चाहिए, न कि गाली देने के लिए। चुनाव आयोग को ऐसी घटनाओं पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, जैसे कि प्रचार पर प्रतिबंध या उम्मीदवारी रद्द करना। जनता को शिक्षित करने की जरूरत है कि वे ऐसे नेताओं का समर्थन न करें जो अपशब्दों का सहारा लेते हैं।

बिहार में प्रधानमंत्री की मां के खिलाफ टिप्पणी और अन्य हाल की घटनाएं भारतीय राजनीति में भाषाई अभद्रता की गंभीरता को दर्शाती हैं। यह केवल एक राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक संकट है। अगर इसे रोका नहीं गया, तो यह लोकतंत्र की नींव को कमजोर कर सकता है। नेताओं, मीडिया और जनता को मिलकर इस प्रवृत्ति को रोकना होगा, ताकि राजनीति फिर से सेवा और विचारों का मंच बन सके। बिहार की जनता से प्रधानमंत्री की अपील, इस अपमान को मैं माफ कर सकता हूं, लेकिन बिहार की धरती नहीं करेगी, इस बात का संकेत है कि यह मुद्दा अब केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ गया है।

शिक्षक ही भारत भाग्य विधाता और राष्ट्र निर्माता है : श्रीधर बर्वे

जिला शिक्षक सम्मान समारोह समिति धार ने 206 सेवानिवृत्त शिक्षकों , 13 विशिष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया

धार। जिला शिक्षक सम्मान समारोह समिति धार ने 'सेवानिवृत्त शिक्षकों का विश्व का सबसे बड़ा सम्मान समारोह' की श्रृंखला में शिक्षक दिवस पर धार में शिक्षक सम्मान समारोह और विशिष्ट प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया।

समारोह के मुख्य वक्ता श्री श्रीधर बर्वे शिक्षाविद एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य इंदौर तथा अतिथिगण मनोज कुमार सिंह डीआईजी, पुलिस अधीक्षक धार, अभिषेक चौधरी सीईओ जिला पंचायत धार थे।

मंच पर जनजातिय कार्य विभाग के सहायक संचालक आनंद पाठक, जिला शिक्षा अधिकारी केशव वर्मा, भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक फ्रांसिस डेविड, संरक्षक श्री रामनारायण धाकड, बबन अग्रवाल,समिति के अध्यक्ष नारायण कुबेरजी जोशी और संस्थापक तथा सचिव सुरेश गोयल भी आसीन थे। प्रारंभ में माँ सरस्वती एवं डॉक्टर राधाकृष्णनजी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया गया। समिति के प्रवक्ता आशीष गोयल ने बताया कि 41 वर्षों से समिति सेवानिवृत्त शिक्षकों का शॉल, श्रीफल ,माला और सम्मान पत्र से सम्मान कर रही है। समिति द्वारा इन वर्षों में लगभग 5800 सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया जा चुका है । पूर्व वर्षों में

राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त,राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों का भी सम्मान एवं हाई स्कूल तथा हायर सेकंडरी स्कूलों में 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले प्राचार्यों का सम्मान किया जाता रहा है। 11वर्षों से समिति द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में धार और जिले का नाम राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाले विशिष्ट प्रतिभाओं का भी सम्मान किया जाता है। छोटे से स्तर से शुरू हुआ यह कार्यक्रम आज पूरे विश्व में एक अभिनव नवाचार उपलब्धि लिए हुए हैं। हमें पूरे देश से ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि इतने वर्षों से इस स्तर पर ऐसा सम्मान समारोह आयोजित किया जाता है। समिति को वर्ष 2022 में वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकार्ड्स लंदन द्वारा तथा पूर्व में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने भी 2018 में सम्मानित किया है और यह पूरे धार शहर के लिए गौरव की बात है कि वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकार्ड्स और गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इसे सेवानिवृत्त शिक्षकों का विश्व का सबसे बड़ा सम्मान समारोह का दर्जा दिया है।

विशिष्ट प्रतिभाएं हुईं सम्मानित

13 विशिष्ट प्रतिभाओं में नशा मुक्ति अभियान, साइबर क्राइम निरोधक जागरूकता अभियान और कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह,राज्य स्तरीय संपूर्णता सम्मान समारोह में गोल्ड मेडल से सम्मानित राकेश तोमर, जीव दया और वात्सल्य गौशाला संचालक के रूप में विजया शर्मा, राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग प्रशिक्षक राजकुमार चौहान, भारतीय थल सेना में लेफ्टिनेंट पद पर चयनित कुमारी श्रावणी विभूते,हिंदू आश्रम पीपलखेड़ा और विवेकानंद केंद्र के संचालक रूप में समाज सेवा कर रहे हैं सरदार सिंह तंवर, चित्रकला के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर कालिदास समारोह में विजेता रहकर सम्मानित, श्रीनाथ नारायण मंदिर रासमंडल में ठाकुर जी की सेवा और श्रृंगार कर रहे हैं श्री मुकेश व्यास, 85 वर्ष की आयु में भी गायत्री परिवार की गतिविधियों को घर-घर तक पहुंचाने वाले रमेशचंद्र सचान, प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी केंद्र धार की संचालिका डॉक्टर लता चौहान,भारत सरकार की ओर से मध्यप्रदेश हाई कोर्ट में शासकीय अधिवक्ता के रूप में नियुक्त हर्षद वडनेरकर, कुशल प्रशासक के रूप में धार में पहचान स्थापित करने वाली पूर्व अनुविभागीय अधिकारी रोशनी पाटीदार, शिक्षा, साहित्य और समाज सेवा के क्षेत्र में धार को गौरवान्वित करने वाले श्रीकांत द्विवेदी को स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र, श्रीफल और माला से सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ता श्रीधर बर्वे ने डॉ राधाकृष्णन जी और डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कई उदाहरण प्रस्तुत किये। उन्होंने बताया कि वे राष्ट्रपति जैसे महत्वपूर्ण पद पर रहने के बाद भी जीवन पर्यंत शिक्षक रहे। उन्होंने कहा कि मनुष्य ने आकाश में उड़ना तो सीख लिया है पर धरती पर मनुष्य की तरह रहना होगा,यही शिक्षा है। देश की शिक्षा पद्धति में भी सुधार की आवश्यकता है। डीआईजी मनोज कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आने वाले समय में समाज में बच्चों को सुरक्षित रखना होगा। शिक्षक के साथ-साथ इसमें माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। समाज में बदलाव तभी संभव है जब हर व्यक्ति अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करें। इतने सारे शिक्षकों के बीच में उपस्थित होकर उन्होंने अपने आप को भाग्यशाली बताया। सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक चौधरी ने कहा कि समिति का सम्मान समारोह का कार्यक्रम प्रशंसनीय है। वह शिक्षक ही है, जो हर व्यक्ति में क्षमताएं विकसित करता है और हर परिस्थिति का सामना करने के लिए आत्मनिर्भर बनाता है। स्वागत भाषण समिति उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर बोडा, आभार प्रदर्शन समिति कोषाध्यक्ष रमेश सोलंकी और संचालन डॉ श्रीकांत द्विवेदी ने किया।

त्याग करने के पश्चात् त्याग के अहं का भी त्याग करना आकिंचन्य धर्म है : उपाध्याय विभंजनसागरजी महाराज साहब

दिगंबर जैन समाज के पर्यूषण पर्व का 9वां दिन

धार। दिगंबर जैन समाज के पर्यूषण पर्व का 9 वां दिन उत्तम आकिंचन धर्म के रूप में मनाया। उपाध्याय श्री विभंजनसागरजी मुनिराज ने अपने प्रवचन के दौरान बताया कि जैन धर्म में उत्तम आकिंचन धर्म का महत्व त्याग करने के पश्चात् त्याग के अहं का भी त्याग करना आकिंचन्य धर्म है। 'मैं' और 'मेरा' ये भी एक परिग्रह है। मोक्ष महल तक पहुंचने के लिए इसका त्याग

आवश्यक है। इस संसार मैं हमारा कुछ भी नहीं है, यहाँ तक कि यह शरीर भी हमारा नहीं है। ऐसा विचार करते हुए हमें आकिंचन्य धर्म अंगीकार करना चाहिए। दसलक्षण पर्व उपाध्याय श्री विभजन सागर जी महाराज के सानिध्य में चल रहा है जिसकी मुख्य पात्र चक्रवर्ती राजेंद्र लक्ष्मी बांझल है। दिन की शुरुआत अभिषेक शांति धारा गुरुदेव के सानिध्य में हुई। आज शांति धारा करने का सौभाग्य चक्रवती राजेंद्र बाँझल के साथ पंकज पापलिया परिवार को मिला । अध्यक्ष श्रेणीक गंगवाल ने बताया कि संध्याकालीन पंच परमेष्ठी एवं गुरुदेव की आरती तत्पश्चात धार्मिक कार्यक्रम हुआ तत्पश्चात इंदौर से आए पंडित भरत शास्त्री द्वारा उत्तम त्याग धर्म पर प्रवचन हुआ। जानकारी मीडिया प्रभारी संजय गंगवाल द्वारा दी गई।

आठनेर में जन शिक्षकों को सौंपी सक्षम कार्यक्रम की कमान

एक दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

बैतूल। आठनेर विकासखंड में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित सक्षम कार्यक्रम की प्रगति और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी जन शिक्षकों को सौंपी गई है। जनशिक्षक न केवल कार्यक्रम की गतिविधियों की निगरानी करेंगे, बल्कि शिक्षकों, मास्टर ट्रेनर्स और अन्य हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में सेतु की भूमिका निभाएंगे। इसी उद्देश्य से आठनेर में एक दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जन शिक्षकों

को सक्षम कार्यक्रम के सफल संचालन और प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़ी आवश्यक जानकारियां और कौशल प्रदान किए गए। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद गिहारे एवं खंड स्रोत समन्वयक राजेश कुमार आठनेरे ने मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि सक्षम कार्यक्रम तभी सार्थक परिणाम देगा जब स्कूल, शिक्षक और हम सभी इसके क्रियान्वयन में सहयोगी बनें। बच्चों तक इसका लाभ पहुंचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रशिक्षण सत्र को ब्लॉक प्रबंधक श्री मेहरबान सिंह ने संबोधित किया तथा कार्यक्रम की सहज कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया किस तरह एसक्यूएमएफ ऑनलाइन फॉर्मेट मॉनिटरिंग करने में सहायक होगा। साथ ही जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री निष्ठा सोदावत ने विशेष तौर पर जेंडर समानता एवं बाल मैत्रीपूर्ण वातावरण पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि निगरानी व्यवस्था इस प्रकार विकसित होनी चाहिए कि बच्चों को आनंदपूर्ण और सुरक्षित शिक्षा का अनुभव मिल सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकासखंड स्त्रोत समन्वयक राजेश कुमार आठनेरे एवं सभी जन शिक्षक मिला कर 11 प्रतिभागी उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए और सक्षम कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का किया सम्मान

बैतूल। मुलताई के वसंत इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के तत्वाधान में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षक सम्मान समारोह 2025 कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के सभागार में किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि सुनील केदार, पूर्व कैबिनेट मंत्री, महाराष्ट्र शासन, विशेष अतिथि विजय चौधरी पूर्व जिला अध्यक्ष जिला कोऑपरेटिव बैंक छिंदवाड़ा, शैलेंद्र वागद्रे, पूर्व अधीक्षण अभियंता, एमपीपीजीसीएल सारनी, डॉ. ए. के. पांडे सेवानिवृत्त चिकित्सक, जिला चिकित्सालय बैतूल, डॉ. रानू वर्मा चिकित्सक जिला चिकित्सालय बैतूल एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मध्य प्रदेश शासन एवं उपाध्यक्ष (संगठन) मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी माननीय सुखदेव पांसे की अध्यक्षता में संपादित किया। मुलताई एवं प्रभात पट्टन विकासखण्ड से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 51 शिक्षकों को श्रीफल, शॉल, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र के द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमे कृष्णकांत बनकर, रंजू सिंह दिवडे, महादेवराव बारस्कर, प्रदीप कुमार कुबडे, मुन्नालाल कुमर, सुरेश आजाद, रवींद्र राऊत, राजेंद्र गायकवाड़, हेमन्त धोटे, रामदयाल हजारे, नितिन मालवीय, भीमराव खाखरे राजेश शिवहरे, धनराज नागले, प्रदीप पांसे, यशवंतराव बरडे, रतिराम रघुवंशी, राजेन्द्र कुमार माकोडें, रामकिशोर बनखेडे, रामचन्द धुर्वे, विपत खपरिए, सहदेव वाघमारे, अनुसया पाटनकर शामिल हैं।

नगरपालिका ने जलगंगा अभियान चलाकर करवाया था सफाई कार्य

30 लाख खर्च, फिर जलकुंभी और प्लास्टिक कचरे से पटी पड़ी माचना नदी और नाले

बैतूल। नगरपालिका ने शहर के बीच से गुजरने वाले 5 नालों और सीमा से गुजरने वाली माचना नदी की सफाई पर 30 लाख खर्च किए थे। लेकिन जहां-जहां सफाई करना बताया है वहां पर पहले से ज्यादा जलकुंभी, प्लास्टिक, थर्माकोल कचरे का अंबार लगा हुआ है। दरअसल जलगंगा संवर्धन अभियान चलाकर नगरपालिका ने नालों और माचना नदी की सफाई की थी। बताया जा रहा है कि इस दौरान 2200 रुपए घंटे के हिसाब से पोकलेन 400 घंटे चलाने पर 9 लाख और मजदूर और ट्रैक्टर ट्रॉली पर 21 लाख हुए खर्च हुए थे। लेकिन अब इन नालों और नदी की हालत यह है कि कई जगह पानी के रास्ते तक पूरी तरह रुक गए हैं। खंजनपुर और हमलापुर से कर्बला घाट के आगे तक नदी की सफाई करवाई थी। नदी और नाले मिलाकर शहर और उसके आसपास 10 किलोमीटर में सफाई कार्य किया गया। लेकिन स्थिति पहले की तरह दिख रही है। माचना नदी में कई जगह तो पहले से ज्यादा गंदगी और प्लास्टिक जमा होने के कारण पानी के रास्ते रुक रहे हैं। मोक्षधाम के सामने माचना नदी जलकुंभी से पटी पड़ी है और किनारों पर प्लास्टिक और कचरा नजर आ रहा है।

कर्बला पर प्लास्टिक रोक रहा पानी का रास्ता

माचना नदी में कर्बला घाट पर जिस जगह पोकलेन चलीं थीं, वहां अब जलकुंभी और प्लास्टिक का अंबार लगा पड़ा है। इसी तरह गंज अंडर ब्रिज के समीप नाले में भी

पोकलेन मशीन घंटों चली थी। यहां हालात यह है कि ब्रिज के समीप नाला थर्माकोल और प्लास्टिक से पटा पड़ा है। इतना प्लास्टिक था कि पानी का बहाव ही रुक गया था, जबकि यहां पर नगरपालिका ने पोकलेन मशीन चलवाकर सफाई कराई थी। लेकिन लोगों द्वारा नाले में कचरा डालने की वजह से यहां फिर गंदगी नजर आने लगी है। लोग दुकानों और घरों से निकलने वाले कचरे को नाले में फेंक देते है। जिससे यह कचरा किनारे फंस जाता है या पानी के रास्ते को अवरुद्ध करता है। दो टुकड़ों में हुआ नदी-नालों की सफाई का कामनगरपालिका ने शहर के नालों और माचना नदी की सफाई के लिए कुल 30 लाख रुपए खर्च किए थे। नगरपालिका ने 25 लाख और 5 लाख से टुकड़ों में यह काम किया था। पोकलेन चलाने का 2250 रुपए प्रति घंटे के हिसाब से ठेका हुआ था। वहीं मजदूर और ट्रैक्टर ट्रॉली से मिट्टी फिंकवाने का काम शामिल था। नदी और नाले दोनों में यह काम हुआ। इसके अलावा केवल नदी पर सफाई पर 6 लाख रुपए और खर्च हुए थे। 400 घंटे पोकलेन चलाने पर 9 लाख रुपए खर्च किए।

हमलापुर घाट पर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन प्रतिबंधित, नपा ने जारी किए निर्देश

बैतूल। गणेश उत्सव के समापन अवसर पर प्रतिमा विसर्जन के लिए नगर पालिका परिषद बैतूल ने विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नगर पालिका परिषद बैतूल द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए शहर के कर्बला घाट, दामादैयत घाट तथा फिल्टर प्लांट के समीप माचना नदी में विसर्जन की आवश्यक व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही स्पष्ट आदेश जारी किया गया है कि हमलापुर घाट पर श्री गणेशजी की मूर्तियों का विसर्जन प्रतिबंधित रहेगा। नगर पालिका परिषद बैतूल ने समस्त श्रद्धालुओं और आम नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित किए गए कुण्डों में ही प्रतिमाओं का विसर्जन करें। परिषद ने कहा है कि हमलापुर घाट पर किसी भी स्थिति में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन न किया जाए। श्रद्धालुओं से अपेक्षा की गई है कि वे नगर पालिका परिषद द्वारा की गई इस व्यवस्था का पालन कर नगर के स्वच्छ वातावरण और परंपराओं को बनाए रखने में सहयोग दें। नपाध्यक्ष बैतूल श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर, सीएमओ सतीश मटसेनिया एवं नगरपालिका परिषद बैतूल द्वारा जारी इस आदेश में सभी गणेश भक्तों से निवेदन किया है कि वे नपा की अपील को गंभीरता से लेते हुए विसर्जन केवल कर्बला घाट, दामादैयत घाट और फिल्टर प्लांट के समीप बनाए गए कुण्डों में ही करें।

जालियां हुई गायब, दोबारा लगाने की जरूरत

नपा ने शहर में 10 जगहों पर नालों में ऑस्ट्रेलियन पैटर्न की जालियां लगाई थीं। लेकिन ये जालियां चोरी हो गई। नगरपालिका ने नालों में 6 साल पहले इन जालियों को लगाने के सीमेंटेड प्लेटफार्म भी बनाए थे, जो अब जाली विहीन पड़े हैं। नपा ने दोबारा ऑस्ट्रेलियन ड्रेनेज सिस्टम के पैटर्न वाली इन जालियों को नहीं लगवाया है। दो साल पहले जरूर यहां पर दोबारा लोहे के शेड बनाकर जालियां लगाने की प्लानिंग की थी, लेकिन काम नहीं हुआ। यदि ये जालियां लग जाती तो मोटा कचरा इनमें अटक जाता और स्वच्छता अमला आसानी से अलग कर देता और प्लास्टिक नालों के रास्ते माचना नदी में नहीं जाता।

इनका कहना है -

माचना नदी और शहर के नालों का दोबारा मुआयना कर प्लास्टिक हटवाया जाएगा। जो भी व्यक्ति, इस तरह प्लास्टिक नाले में डाल रहा है उस पर कार्रवाई की जाएगी। पानी का बहाव नहीं रुके और नदी नाले लगातार बहते रहें, इसके लिए बेहतर व्यवस्था बनाई जाएगी।

- सतीश मटसेनिया,
सीएमओ, नगरपालिका बैतूल

जंगली सूअरों ने मक्का के खेतों में मचाई तबाही, किसान परेशान

बैतूल/भौंरा। क्षेत्र के चिरमाटेकरी, सलीमेट, बानाबेहड़ा, चिखल्दा और कछार हांडीपानी, धपाड़ा, छीमड़ी, खापा,गुवाड़ी सहित अनेक गांवों के किसान इन दिनों जंगली सूअरों के आतंक से बेहाल हैं। रात में झुंड बनाकर खेतों में घुसने वाले सूअर अब तक करीब 50 एकड़ से अधिक मक्का फसल बर्बाद कर चुके हैं। किसानों का अनुमान है कि अब तक लाखो रुपये का नुकसान हो चुका है। ग्राम चिरमाटेकरी के किसान बाबूलाल मरकाम ने बताया कि उनके चार एकड़ में खड़ी मक्का की पूरी फसल चौपट हो गई। इसी गांव के किसान बाराती धुर्वे, तेरा सिंह भलावी, विवेक ठाकुर और नंदू कोड़पे भी नुकसान से जूझ रहे हैं। ग्राम बानाबेहड़ा के किसान जयपाल मासकोले ने बताया, मैंने इस साल सात एकड़ में मक्का बोई थी। उसमें से करीब आधा एकड़ फसल जंगली सूअरों ने बर्बाद कर दी। इतनी महंगी खाद-बीज और मजदूरी के खर्च के बाद अब हमारी लागत कैसे निकलेगी, यही चिंता है। ग्राम हांडीपानी के किसान राजू चौहान और सूरतराम का कहना है कि पिछले साल भी फसल को नुकसान हुआ था, लेकिन इस बार स्थिति और ज्यादा गंभीर है। लगता है सूअरों की संख्या पहले से दोगुनी हो गई है। खेतों में रौंदे हुए मक्का का ढेर देखकर मन टूट जाता है। किसानों बाराती धुर्वे, तेरा सिंह भलावी, और नंदू कोड़पे ने बताया कि इस सीजन में यूरिया, डीएपी, पोटाश और बीज की कीमतें आसमान छू गई थीं। एक एकड़ की बुवाई में ही हजारों रुपए लग गए। बावजूद इसके, सूअरों ने मेहनत पर पानी फेर दिया। किसानों का कहना है कि इतनी महंगी लागत झोंकने के बाद भी अगर फसल सुरक्षित नहीं रही तो खेती करना दिन-ब-दिन मुश्किल हो जाएगा। किसानों ने सरकार और विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही मुआवजे और स्थायी समाधान की व्यवस्था करे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यही हाल रहा तो आने वाले समय में सोयाबीन और रबी की गेहूँ फसलें भी सुरक्षित नहीं रहेंगी।

इनका कहना है -

फसल के नुकसान का मुआवजा राजस्व विभाग द्वारा दिया जाता है। हमें कहीं से जानकारी प्राप्त होती है तो हमारे स्टाफ द्वारा पटवारी को साथ लेकर इसका पंचनामा तैयार करवाया जा रहा है।

- वीरेंद्र तिवारी, वन परिक्षेत्र अधिकारी भौंरा

नाम देखने उमड़ी भीड़, 10 हजार से ऊपर बकायेदारों के नाम शामिल

नपा ने कर बकायेदारों के नाम का लगाया फ्लेक्स

आमला। नगर पालिका आमला वर्षों से वित्तीय स्थिति से जूझ रही हैं। जिससे नपा के निर्माण कार्य समय पर नही होते है और न ही नपा के कर्मचारियों का वेतन समय पर हो पाता है। नपा आमला में जब से नपा सीएमओ नितिन बिजवे आए है, तब से उन्होंने नपा की प्रशासनिक व्यवस्था में तो बदलाव किया ही है, साथ ही अब नपा की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने कठोर कदम भी उठा रहे हैं। नपा के रजिस्टर में बड़े बकायेदारों की लंबी फेहरिस्त है। जिनसे वसूली करने नपा ने कई बार प्रयास किए, लेकिन बडे बकायदारों का नपा को दिए जाने वाला कर अदा करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहे थे। जिसके बाद नपा द्वारा बकायेदारों को बकायदा नोटिस के माध्यम से सूचना भी दी, लेकिन इसका कोई असर दिखाई नहीं दिया। अब नपा ने बकायेदारों के नाम शहर के जनपद चौक पर करीब 100 लोगों के नाम का फ्लेक्स लगाकर सूची सार्वजनिक कर दी हैं। सूची सार्वजनिक करने से बकायेदारों में हड़कंप मच गया हैं। नपा ने अपनी वित्तीय स्थिति से निपटने के लिए ये कदम उठाया है। बिजली विभाग पर 15 लाख से अधिक का कर बकाया है। बकायेदारों की सूची में आमला के दिग्गज ओर कई चर्चित नाम हैं। वही लोगो के नाम सार्वजनिक होने से फ्लेक्स को देखने लोगों की भीड़ जुट गई हैं। नपा द्वारा जारी प्रेस नोट में यह भी स्पष्ट किया है कि अगर बकायेदारों ने राशि जमा नहीं की, तो उनके नाम दर्ज संपत्ति को कुर्क करने कि कार्यवाही की जावेगी।

इनका कहना है -

हमने नोटिस जारी कर बकायेदारों को राशि जमा करने के लिए पहले ही कहा था। 10 हजार से ऊपर के बकायेदारों की सूची का फ्लेक्स बनाकर लगाया है। नोटिस जारी कर बकायदारों को राशि जमा करने को पहले से ही कहा गया था।

- अखिलेश नेगी,
राजस्व अधिकारी नपा आमला।

एनीमिया मुक्त भारत तथा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत कन्वर्जेंस बैठक का आयोजन

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में जिले में एनीमिया मुक्त भारत तथा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम 23 सितम्बर तथा मॉप अप दिवस का आयोजन 26 सितम्बर को किया जाएगा। जिसके अंतर्गत एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र टिकारी बैतूल में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं शिक्षा विभाग की कन्वर्जेंस बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि को राज्य के चिन्हित 51 जिले जिसमें बैतूल भी शामिल है के सभी स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में 23 सितम्बर को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान आयोजित होगा। इस दौरान छूटे हुए बच्चों के लिए मॉप-अप दिवस 26 सितम्बर शुक्रवार को कृमिनाशक किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत शासकीय, निजी, केन्द्र शासित, आदिवासी आश्रम शालाओं, स्नातक महाविद्यालयों, तकनीकी शिक्षा केन्द्रों, मदरसों, आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा किशोर न्याय अधिनियम

2015 अंतर्गत संचालक चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूट में 1 से 19 वर्षीय समस्त बच्चों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में 20 से 49 वर्ष की प्रजनन आयु वर्ग की महिलाएं जो कि गर्भवती, धात्री नहीं हैं कृमिनाशक किया जाएगा। डॉ हुरमाड़े ने बताया कि कृमि संक्रमण से बच्चों का शारीरिक एवं बौद्धिक विकास बाधित होता है एवं कृमि संक्रमित हितग्राही के पोषण एवं अवशोषण स्तर पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य विभाग नोडल विभाग है, जिसके द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, पंचायती राज, ग्रामीण विकास विभाग आदि के समन्वयन से कार्यक्रम का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना है।

डॉ हुरमाड़े ने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की जानकारी देते हुए बताया कि 1 से 2 वर्ष के बच्चों को एल्बेंडाजोल 400 मि.ग्रा. की आधी गोली चूरा करके, 2 से 3 वर्ष के बच्चे को एल्बेंडाजोल 400 मि.ग्रा. की पूरी गोली चूरा करके, 3 से 19 वर्ष के बच्चे को एल्बेंडाजोल की पूरी गोली चबाकर एवं 20 से 49 वर्ष की महिलाऐं को एल्बेंडाजोल 400 मि.ग्रा. की पूरी गोली चबाकर पीने के साफ पानी के साथ खिलाई जाये। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस में उपयोग किये जाने वाले रिपोर्टिंग प्रपत्रों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में क्षेत्रीय समन्वयक डॉ दिनेश पांडे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश परिहार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ विनोद शाक्य, सभी बीएमओ, महिला बाल विकास शहरी परियोजना प्रतिनिधि योगेश धोटे, उप जिला मीडिया अधिकारी महेशराम गुबरेले, एमएण्डईओ मनोज चढ़ोकार, बीपीएम, बीईई, बीसीएम, शिक्षा विभाग प्रतिनिधि श्री बाबू साहू एवं निजी स्कूल के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

राजस्व अधिकारी में ई-ऑफिस प्रणाली पर संपादित करें अपने कार्य - कलेक्टर

राजस्व मामले तहसील में ही निराकृत करें ताकि नागरिकों को जनसुनवाई में न आना पड़े : कलेक्टर

गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए करें विसर्जन घाटों का निरीक्षण, सुनिश्चित करें आवश्यक व्यवस्थाएं : कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अनुभागवार एवं तहसीलवार सभी राजस्व गतिविधियों एवं कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी सभी राजस्व प्रकरणों का निराकरण तहसील में करें। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई में आने वाले अधिकांश मामले राजस्व से संबंधित होते हैं। उन्होंने कहा कि इन मामलों का निराकरण तहसील स्तर पर ही किया जाए ताकि नागरिकों को जनसुनवाई में न आना पड़े। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने गणेश विसर्जन को दृष्टिगत रखते हुए सभी अधिकारियों को विसर्जन घाटों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने घाटों पर लाइटिंग, बैरिकेडिंग, पार्किंग, क्रेन, नाव, गोताखोर और एसडीआरएफ तथा होमगार्ड जवानों की तैनाती करने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि चल समारोह के दौरान यातायात एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि जिले में आगामी त्योहारों के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखें। इसके लिए पुलिस विभाग एवं राजस्व विभाग समन्वय स्थापित कर कार्य करें। बैठक में अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती स्वाति मिश्रा, कृषि विभाग के उप संचालक श्री अशोक कुमार उपाध्याय सहित सभी राजस्व अधिकारी उपस्थित थे।

हिट एण्ड रन मोटरयान दुर्घटना के संबंध में निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि हिट एंड रन मामलों में मृत व्यक्ति की जानकारी जल्द भेजें ताकि मृत या घायल व्यक्ति के परिजनों को राहत राशि प्रदान की जा सके। इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं के दौरान मदद करने वाले व्यक्तियों को राहवीर योजना का लाभ जल्द दिलाने के लिए प्रकरण तैयार कर भेजने की कार्रवाई शीघ्र की जाए।

राजस्व अधिकारी में ई-ऑफिस प्रणाली से संपादित करें अपने कार्य : बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि राजस्व संबंधी सभी कार्यों में ई ऑफिस प्रणाली का उपयोग किया जाए, ताकि ई-ऑफिस के माध्यम से तहसीलों में राजस्व संबंधी कामकाज को सरल, प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी सभी कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ई-ऑफिस प्रणाली का उपयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कार्यालयीन कार्यों को ई-ऑफिस प्रणाली में करने से समय की बचत होगी और तुरंत आदेश निर्देश जारी किए जा सकेंगे तथा प्रकरणों की निराकरण भी समय सीमा में हो सकेगा।

बीज एवं उर्वरक आपूर्ति के संबंध में निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि जिले में किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही जिले में खाद-बीज की कालाबाजारी को रोका जाए। अधिकारी अपने अपने क्षेत्रों में खाद-बीज की बिक्री की मॉनिटरिंग करें और यह सुनिश्चित करें कि जिले से बाहर खाद का अवैध स्थानांतरण न हो। ताकि जिले के किसानों परेशान न होना पड़े।

समय सीमा में करे राजस्व प्रकरणों का निराकरण

बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि राजस्व अधिकारी सभी राजस्व संबंधी प्रकरणों को आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज करें। उन्होंने कहा कि पारित आदेशों पर समय पर अमल भी करें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी प्रकरण आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज हों। उन्होंने समय समय पर राजस्व न्यायालयों का निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले के 32 तहसीलदार/नायब तहसीलदार न्यायालयों में आरसीएमएस के 31,451 प्ररकण दर्ज किए गए, जिनमें से 26,472 प्रकरणों का निराकरण किया गया। सीमांकन के 6,573 प्रकरणों में 6,488 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसी प्रकार नामांतरण के 13,769 में से 10,806 प्रकरण निराकृत किए गए। इसी प्रकरण बंटवारा के 2,665 में से 2,069 प्रकरण निराकृत किए गए।

अन्य बिंदुओं की समीक्षा

बैठक में उन्होंने राजस्व वसूली, राजस्व प्रकरणों को अभिलेखागार में जमा करना, शासकीय भूमि का आवंटन, धारणाधिकार के प्रकरणो का निराकरण, राजस्व विभाग की सीएम हेल्पलाइन सहित अन्य बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पोषण अभियान अंतर्गत संभाग स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला संपन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम संभाग श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी के निर्देशन में बुधवार को संभाग के जिला बैतूल, हरदा एवं नर्मदापुरम में कार्यरत समस्त जिला समन्वयक एवं ब्लॉक समन्वयक (डीसी/बीसी) का पोषण अभियान अंतर्गत संभाग स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय परिसर नर्मदापुरम के सभाकक्ष में किया गया। क्षेत्रीय समन्वयक, एम्स भोपाल श्री मनोज चौहान ने उपस्थित प्रतिभागियों को मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया। इसमें बच्चों का सही-सही शारीरिक माप (वजन, लंबाई/ऊंचाई) लेने, बच्चों के पोषण स्तर ज्ञात करने तथा शुद्ध व सटीक आंकड़े संपर्क एप में दर्ज करने की जानकारी दी गई। राज्य समन्वयक (पोषण अभियान), संचालनालय महिला एवं बाल विकास म.प्र. भोपाल श्री जागेंद्र सिंह ने पोषण ट्रैकर एप के उपयोग पर प्रशिक्षण दिया तथा तकनीकी समस्याओं के समाधान की जानकारी दी। संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम संभाग श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी ने जिला व परियोजना समन्वयकों को निर्देश दिए कि वे प्रशिक्षण को अच्छे से प्राप्त करें, पोषण ट्रैकर एप में प्रविष्टि से जुड़ी समस्याओं का समाधान करें और प्रतिदिन परियोजनावार/सेक्टरवार रिपोर्ट तैयार कर परियोजना अधिकारी/पर्यवेक्षक के साथ साझा करें। न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम श्री विजय कुमार पाठक एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी नर्मदापुरम श्री अमय सिंह ने प्रतिभागियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंतर्गत दी जाने वाली निःशुल्क सेवाओं एवं कानूनी सहायता की जानकारी दी। कार्यशाला में न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम श्री विजय कुमार पाठक, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम संभाग श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी, जिला विधिक सहायता अधिकारी नर्मदापुरम श्री अमय सिंह, राज्य समन्वयक संचालनालय महिला एवं बाल विकास म.प्र. भोपाल श्री जागेंद्र सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक एम्स भोपाल श्री मनोज चौहान सहित नर्मदापुरम संभाग के पोषण अभियान अंतर्गत कार्यरत सभी जिला एवं परियोजना समन्वयक/पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जेएच कॉलेज बैतूल के 5 विद्यार्थी टीसीएस कंपनी में हुए चयनित

बैतूल (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स, जयवन्ती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्याल बैतूल के स्वामी विवेकानन्द कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा मंगलवार को एक दिवसीय जिला स्तरिय रिक्रूटमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। टाटा कंसलटेंसी सर्विस टीसीएस द्वारा टीपीओ प्रो. ऋषिकान्त पंथी के आयोजन व्यवस्था में आयोजित इस ड्राइव कार्यक्रम में सर्वप्रथम ट.ए.ग.ह.र हेड श्री अर्पित रहमतकर ने टीसीएस के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मीनाक्षी चौबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि टीसीएस का रिक्रूटमेंट छात्र-छात्राओ के लिए बहुत अच्छा अवसर है। महाविद्यालय के सत्र 2024 एवं 2025 में स्नातक उत्तीर्ण छात्र-छात्राओ के लिए यह कैंपस ड्राइव सीखने का बड़ा अवसर है। कैंपस ड्राइव में सर्वप्रथम विद्यार्थियों के दस्तावेजों की जांच की गई। इसके पश्चात लिखित परीक्षा का आयोजन बहुविकल्पीय पद्धति के आधार पर लिया गया एवं उत्तीर्ण विद्यार्थियों का टीसीएस पदाधिकारियों द्वारा साक्षात्कार लिया गया। इस कैंपस ड्राइव कार्यक्रम में महाविद्यालय के 5 विद्यार्थी नियति सेंबेकर, हिमांशी बनखेड़े, भूमिका डिगरसे, शुभम दाबन्दे, ललिता पांडे का टीसीएस द्वारा जिला नागपुर महाराष्ट्र के लिए चयन किया गया। उक्त रिक्रूटमेंट ड्राइव में जिला रोजगार अधिकारी डॉ. श्याम धुर्वे ने भी निरीक्षण किया। इस ड्राइव के सफल बनाने में श्री अर्पित रहमतकर, कु. एकता सिंह परिहार, श्री कमल डीगरसे, श्री प्रबुद्ध तिवारी सहित डॉ. सरोज जबालकर, प्रो. निलेश पाटील, डॉ. निर्मला पवार, प्रो. शिवकुमार चौधरी, डॉ. निशा मालवी, डॉ. छाया शाक्य, डॉ. पंकज बारस्कर, प्रो. वरुण पंडोले,डॉ. अरुणा धांडोले, कु.गायत्री यादव, गुद्ध पाटील, अनिल आठोले का सराहनीय सहयोग रहा।

गौशालाओं की व्यवस्थाओं का जायजा

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने बासौदा क्षेत्र के भ्रमण दौरान फतेहपुर (मुरादपुर) में संचालित श्री गोपाल कृष्ण गौशाला में पहुंचकर गौशाला के प्रबंधन की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर श्री गुप्ता ने अपने हाथो से गौग्रास का सेवन कराया और गौशाला परिसर में आम का पौधा रोपित किया है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निरीक्षण भ्रमण के दौरान श्री देव नारायण समाज कल्याण सेवा समिति के अंतर्गत संचालित श्री गोपाल कृष्ण गौशाला के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र भार्गव ने गौशाला के प्रबंधनो की जानकारी सांझा की है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोड़िया, एसडीएम श्री संतोष बिटौलिया, जनपद सीईओ श्रीमती तपस्या जैन के अलावा अन्य विभागो के अधिकारी साथ मौजूद रहे।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आयोजित

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रचना सुरेंद्र मेवाड़ा की अध्यक्षता में जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क प्राधिकरण, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, जनजातीय कार्य विभाग सहित अन्य विभागों की गतिविधियों के संचालन एवं प्रगति की समीक्षा की गई।

महाविद्यालय में उमंग स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

हरदा (निप्र)। स्वस्थ्य तन और स्वस्थ मन होगा तो जीवन उमंग से परिपूर्ण रहेगा। यह बात चिकित्सा अधिकारी डॉ. भावना करोड़े ने स्थानीय स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ वेलनेस गतिविधि के तहत बुधवार को आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में कही। उमंग स्वास्थ्य शिविर में डॉ. भावना करोड़े के साथ दंत चिकित्सा अधिकारी डॉ. आयुषी गुप्ता एवं आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. परमानंद छलौत्रे ने छात्र-छात्राओं की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया । शिविर में विद्यार्थियों की सामान्य स्वास्थ जाँच के साथ आंखो, दांतों व ब्लड शुगर की जाँच की गई। स्वस्थ्य यकृत मिशन के तहत ऊँचाई, वजन और कमर की माप ली गई व बीएमआई अनुसार कम वजन वाले बच्चों को पोषक तत्वों से युक्त आहार के बारे में बताया गया। वहीं अधिक वजन मोटापा वाले बच्चों को व्यायाम और फास्ट फूड से बचने की सलाह दी गई तथा स्वस्थ्य जीवनशैली के लाभ की जानकारी दी गई । शिविर के शुभारंभ अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. संगीता बिले एवं प्रशासकीय अधिकारी श्री बी.के. बिछोतिया ने स्वास्थ्य दल का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों से सेवाओं का लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम समन्वयक श्री आशीष साकल्ले ने बताया राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उमंग स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होने विद्यार्थियों को खराब जीवनशैली से होने वाली शारीरिक और मानसिक समस्याओं के बारे में बताया। साथ ही उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह इत्यादि पर चर्चा की गई । कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशा गायकवाड़ एवं राजेश गौर ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत आभा आईडी के उपयोग की जानकारी दी। शिविर में 48 आभा आईडी तैयार की गई । नेत्र सहायक दीक्षा काशिव ने आंखों की जाँच की व विद्यार्थियों को प्रतिदिन के स्क्रीन टाईम को कम करने की सलाह दी। मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत नर्सिंग ऑफीसर अंकित सिंह ने मनहित एप के लाभ की जानकारी दी व विद्यार्थियों को एप डाउनलोड करवाई।

अभियान की सफलता के लिए पूरे मनोयोग तथा समन्वय के साथ करेंगे काम: कलेक्टर श्री विश्वकर्मा

रायसेन (निप्र)। जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार के धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत ÷आदि कर्मयोगी रेस्पॉसिव गर्वेनेंस प्रोग्राम विषय पर कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला बुधवार को सम्पन्न हुई। प्रशिक्षण कार्यशाला के प्रारंभ में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला अधिकारियों से कहा कि ÷आदि कर्मयोगी अभियान÷ के तहत जनजातीय समुदायों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। यह एक ऐसा अवसर हमें प्राप्त हुआ है जिसमें हम योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन कर अंतिम छोर तक योजनाओं का लाभ पहुचाएंगे। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य जनजातीय कल्याण के लिए उत्तरदायी, पारदर्शी और जवाबदेह शासन को बढ़ावा देना है, जिससे विकसित भारत के निर्माण में जनजातीय परिवारों की समान भागीदारी हो। आदि कर्मयोगी अभियान में शासकीय अधिकारी आदि कर्मयोगी के रूप में शामिल होंगे। अभियान की मंशा को धरातल पर उतराने के लिए सभी को आगे बढ़कर कार्य करना होगा। उन्हें जिले की टीम की क्षमताओं पर पूर्ण विश्वास है तथा सभी मिलकर यह कार्य पूर्ण करेंगे। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता के लिए पूरे मनोयोग के साथ स्थानीय लोगों को भी जोड़कर कार्य करना होगा।

इसमें मीडिया के सुझाव भी आमंत्रित हैं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि ग्रामों में जिन हितग्राहियों तक हम नहीं पहुंच पाए, वहां तक पहुचेंगे तथा प्रत्येक हितग्राही को योजनाओं का लाभ मिले यह सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान के तहत जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण एवं विकास हेतु विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ आदि सहयोगियों एवं आदि साथियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। कार्यशाला में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा पीपीटी के माध्यम से भी अभियान के बारे में जानकारी दी गई। आदिवासी अनुसंधान संस्थान भोपाल की सहायक अनुसंधान अधिकारी श्रीमती सारिका धोलपुरिया ने बताया कि आदि कर्मयोगी एक राष्ट्रीय मिशन है। इसमें जमीनी स्तर पर शासन-प्रशासन तंत्र तथा सेवाओं को जनजातीय परिवारों के हित में मजबूत बनाया जाएगा।

कलेक्टर द्वारा जल जीवन मिशन के कार्यों की गहन समीक्षा की गई

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज जल जीवन मिशन अंतर्गत गांव-गांव नल से घर-घर तक जल पहुंचाने हेतु जल निगम मर्यादित और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा क्रियान्वित कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में आयोजित इस बैठक में जिले की सभी ग्राम पंचायतों के ग्रामों में नल से जल पहुंचे इसके लिए गुणवत्तापूर्ण कार्य कराए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि यह भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है अधिकारी, कर्मचारी, इंजीनियर और ठेकेदार पूरी लगन व ईमानदारी के साथ कार्य करें और योजना के कार्यों को पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें, इस कार्य में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जल जीवन मिशन अंतर्गत जिन ग्रामों में सड़क की कटिंग कर पाइपलाइन डालने का कार्य किया घया है , पाइपलाइन बिछाने के बाद रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण करें ताकि ग्रामीण जनों को आवागमन में असुविधा न हो इस कार्य को प्राथमिकता से कराएं। साथ ही पाइपलाइन बिछाने के दौरान जो भी जरूरी टेस्टिंग है वह समय पर कर लें ताकि पाइप लीकेज सहित अन्य समस्याएं उत्पन्न ना हो पाएं। बैठक में जल निगम मर्यादित और पीएचई विभाग की पीपीटी का मय फोटोग्राफ्स प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया, जिसमें संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा क्रियान्वित कार्यों व किस समय अवधि में योजना पूर्ण होगी से अवगत कराया गया। बैठक में पाइप वेरिफिकेशन, पाइपलाइन डेप्थ चेकिंग, हाइड्रो टेस्टिंग, पाइप बिल्डिंग टेस्टिंग, रोड रोस्टेशन, एमएस पाइप लयिंग एंड बेल्डिंग, बेल्डिंग टेस्टिंग अल्ट्रा मेथहड इत्यादि कार्यों की जानकारी भी प्रस्तुत की गई इन सभी कार्यों का समय पर निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा है कि संबंधित अधिकारी और इंजीनियर उपरोक्त सभी कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करें और सप्ताह अवधि में दो तीन बार मौके पर पहुंचकर उक्त कार्यों की जांच निरुक्षण करें व गुणवत्तापूर्ण कार्य हो इसका विशेष ध्यान रखें।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया ने भी अधिकारियों व विभागीय अमले को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए जल जीवन मिशन के कार्यों को समयावधि में पूर्ण करने पर बल दिया है। बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत जलकर वसूली हेतु स्व सहायता समूह के चिन्हांकन कार्यों की भी समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि जिले के 149 ग्रामों में स्व सहायता समूहों का चयन कर लिया गया है। बैठक में जल निगम मर्यादित और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जिलाधिकारी, इंजीनियर, सब इंजीनियर मौजूद रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग बैतूल-इटारसी और बैतूल-हरदा की एक माह के अंदर होगी मरम्मत

बैतूल (निप्र)। जनसामान्य को राष्ट्रीय राजमार्ग बैतूल-इटारसी और बैतूल-हरदा में आवागमन में असुविधा न हो। क्षतिग्रस्त मार्गो शीघ्र मरम्मत की जाएं। यह निर्देश मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में केंद्रीय मंत्री श्री दुर्गादास उईके और विधायक बैतूल श्री हेमंत खंडेलवाल ने राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। बैठक में विधायक आमला डॉ योगेश पंडाग्रे, विधायक मुलताई श्री चंद्रशेखर देशमुख, विधायक भैंसदेही श्री महेंद्र सिंह चौहान, विधायक घोड़ाडोंगरी श्रीमती गंगाबाई उईके तथा कलेक्टर बैतूल श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल झारिया सहित राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी उपस्थित रहें। विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि वर्षा ऋतु समाप्त होते ही दोनों मार्गो की मरम्मत, सुधार के कार्य शीघ्र प्रारंभ कर उन्हें पूर्ण किया जाएं। जनप्रतिनिधियों के निर्देश पर राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि 15 सितम्बर के पश्चात 15 दिनों में ही संपूर्ण मार्ग की मरम्मत का कार्य पूरा किया जाएगा। आज से एक माह के अंदर आवश्यक मरम्मत पूर्ण होगी। बैठक में विधायक श्री खंडेलवाल ने बरेठा मार्ग पर हुए गड्ढों की मरम्मत और लगने वाले जाम की समस्या का स्थाई समाधान पर जोर दिया। जिस पर राष्ट्रीय राजमार्ग के प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने बरेठा घाट की भी शीघ्र मरम्मत किए जाने की बात कहीं। बैठक के पश्चात पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल झारिया और प्रोजेक्ट डायरेक्टर राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा बरेठा घाट में लगने वाले जाम के स्थाई समाधान के उद्देश्य से निरीक्षण किया गया।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जिला स्वास्थ्य समिति की ली बैठक

दस्तक अभियान में कम उपलब्धि वाले विकासखंडों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में मंगलवार को एनआईसी कक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े से समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली। सीएमएचओ डॉ हुरमाड़े ने सिकल सेल, दस्तक अभियान, 100 दिवसीय निक्षय शिविर अभियान, एनीमिया मुक्त भारत अभियान, संस्थागत प्रसव की सम्पूर्ण जानकारी प्रस्तुत की। 100 दिवसीय निक्षय शिविर अभियान अंतर्गत टीबी स्क्रीनिंग को अधिक से अधिक बढ़ाने एवं चिन्हित मरीजों को आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा दवा मुहैया कराने की जिम्मेदारी के लिए बीएमओ को निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा की।

समीक्षा के दौरान शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव कराये जाने, सभी राष्ट्रीय कार्यक्रम अंतर्गत दी जाने वाली सेवाओं की शत-प्रतिशत जानकारी पोर्टल एप के माध्यम से अपडेट करने के निर्देश दिये। उन्होंने सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग पूर्ण कर रोग ग्रस्त मरीजों को यूडीआईडी एवं जेनेटिक कार्ड 7 दिवस के भीतर बनाकर देने के निर्देश दिए इसके अलावा धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत आने वाले 554 ग्रामों में एक माह के भीतर जिनके आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं उनके कार्ड एवं टीबी स्क्रीनिंग शतप्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिये। दस्तक अभियान में कम उपलब्धि वाले विकासखंडों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराने के दिए निर्देश : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने एमडीआर एवं सीडीआर पर विशेष ध्यान देते हुए होने वाली मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु की जानकारी 24 घण्टे के भीतर निर्धारित प्रपत्र एवं ऑनलाइन पोर्टल में दर्ज कराने एवं कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि हाई रिस्क गर्भवती माताओं की विशेष रूप से मॉनिटरिंग की जाये, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर के दिन 9 एवं 25 तारीख को गर्भवती माताओं को जिला चिकित्सालय, सीएचसी, पीएचसी में जांच के लिए भेजने के निर्देश दिये।

हितग्राहियों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के दिए निर्देश

क्वालिटी कार्यक्रम के अंतर्गत चिन्हित संस्थाओं में कायाकल्प, एनक्यूएएस एवं मुस्कान के लिये संस्था स्तरीय असेसमेंट कर पाए गए गेप को पूर्ण कर फाइनल असेसमेंट के लिये आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिये। एसएनसीयू से डिस्चार्ज होने वाले समस्त बच्चों का आवश्यक रूप से आशा एवं आरबीएसके टीम के माध्यम से फॉलोअप करने, आरबीएसके की टीम द्वारा बच्चों की स्क्रीनिंग कर 4डी का चिन्हांकन कर आवश्यक उपचार एवं परामर्श प्रदान करने एवं सर्जरी की जाने बच्चों की लाईन लिस्ट करने के निर्देश दिये। उन्होंने आयुष्मान भारत निरामयम योजना अंतर्गत 70 एवं अधिक आयु वर्ग के हितग्राहियों का शतप्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने, परिवार कल्याण कार्यक्रम अंतर्गत मैदानी कार्यकर्तावार लक्ष्य देकर नसबंदी सेवा आवश्यकता दिए गए लक्ष्य अनुसार शतप्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने एवं आईडीएसपी कार्यक्रम अंतर्गत एस,पी एवं एल फार्म की रिपोटिंग निर्धारित समय पर शतप्रतिशत करने, मौसमी बीमारी की आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए।

कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री श्री टेटवाल ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार मिलने पर श्री मालवीय को बधाई और शुभकामनाएं दीं

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने दिल्ली में शिक्षक दिवस पर शासकीय संभागीय आईटीआई भोपाल के प्रशिक्षण अधिकारी श्री राजेन्द्र मालवीय को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें दीर्घ अवधि इंजीनियरिंग ट्रेड श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ कौशल प्रशिक्षक के रूप में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया।

कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्री मालवीय ने अपनी मेहनत और प्रतिबद्धता से प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि प्रदेश के सभी प्रशिक्षकों और प्रशिक्षण संस्थानों के लिए प्रेरणादायी है, जो कौशल शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। यह राष्ट्रीय स्तर का प्रतिष्ठित सम्मान कौशल विकास क्षेत्र में श्री मालवीय की निरंतर मेहनत और प्रशिक्षणार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति उनके समर्पण को प्रमाणित करता है। उनकी उपलब्धि से प्रदेश की आईटीआई संस्थाओं की गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण परंपरा और प्रशिक्षकों की प्रतिबद्धता को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। कौशल विकास संचालनालय ने भी श्री मालवीय की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दी हैं।

सागर सिल्वर स्प्रिंग्स में इको फ्रेंडली भंडारा

भोपाल। अयोध्या बायपास स्थित सागर सिल्वर स्प्रिंग्स में स्वच्छता एवं पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए इको फ्रेंडली भंडारे प्रसादी का आयोजन किया गया। इसमें किसी भी प्रकार के डिस्पोजल का प्रयोग नहीं किया गया। लगभग 1000 रहवासियों के भंडारे में किसी ने भी अन्न व्यर्थ नहीं किया। समिति द्वारा नियम बनाया गया था कि यदि थाली में कोई भी प्रसाद व्यर्थ छोड़ता है तो उनको 100 रुपए समिति को हर्जाना देना होगा। इस कारण समिति को जीरो वेस्ट गार्बेज भंडारा आयोजित करने में बहुत मदद मिली।

समिति के साथ साथ सभी रहवासियों ने यह भी संकल्प लिया है कि कॉलोनी में किसी भी प्रकार के कोई भी धार्मिक, सामाजिक ,व्यक्तिगत आयोजनों को इसी प्रकार से हमेशा गार्बेज फ्री एवं बिना सिंगल उपयोग डिस्पोजल के साथ ही संपन्न कराया जाएगा। इस कार्य में अध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष कल्याण मखीजा, सचिव उमेश पांडे और सहसचिव राकेश सतीजा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीएम बोले- खतरे से आंख मूंद शुतुरमुर्ग बने कांग्रेसी

बीजेपी बैठक में कहा- विरोधी खतरे से भागते, वन नेशन-वन इलेक्शन बड़ी चुनौती

भोपाल (नप्र)। भोपाल में भाजपा कार्यालय में सेवा पखवाड़े की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न्यायालय और लोकतांत्रिक संस्थाओं की धज्जियां उड़ाने वाली पार्टी है, जिसने भगवान राम के नाम पर दंगे कराए, तीन तलाक से मुस्लिम बहनों की जिंदगी नरक बनाई और धारा 370 थोपकर 40 हजार निर्दोषों की जान ली।

सीएम ने कहा कि - विपक्ष शुतुरमुर्ग की तरह खतरे से आंख मूंदकर जनता को भ्रमित कर रहा है, जबकि भाजपा के तपोनिष्ठ कार्यकर्ता कच्ची मिट्टी के नहीं बने हैं। उन्होंने कहा कि आने वाला समय वन नेशन, वन इलेक्शन का है और कांग्रेस के लिए और भी चुनौतीपूर्ण होने वाला है।

17 दिनों में हम अपने कामों को नीचे तक लेकर जाएं- सीएम यादव ने कहा- 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर सेवा पखवाड़े चलेगा। सारी गतिविधियां और कार्यक्रम चलेंगे। आज के समय हमारी भूमिका को जनता के बीच जिस ढंग का माहौल हमारे विपक्षी लोग कर रहे हैं। दुनिया भारत को सम्मान और गर्व की निगाह से देख रही है।

आज के इस दुविधापूर्ण समय में कांग्रेस अपना काम कर रही है। लेकिन, हम अपनी पार्टी और केन्द्र सरकार के एक-एक काम को सेवा पखवाड़े के माध्यम से नीचे तक ले जाएं। और ताकत के साथ हम अपने विषय रखें।

हम अपनी जड़ें और नीचे तक बनाते जाएं। ये 17 दिन का समय हमारे लिए हमारी पूरी व्यवस्थाओं को नीचे तक विश्वास बनाने का अवसर है। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनने का गौरव भाजपा ने प्राप्त किया है।

आइडियोलॉजी को लेकर कोई दुविधा नहीं

सीएम ने कहा- शहजादों की भाषा उनके अपने आचरण और व्यवहार जो अपने आपको पार्टी भले ही कहती हो। लेकिन, सच्चे अर्थों में लोकतांत्रिक पार्टी भाजपा है। हम अपने एक-एक काम से संदेश दे रहे हैं। भाजपा के कार्यकर्ता यदि काम कर रहे हैं तो वह राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत होकर सांस्कृतिक धारा में तपोनिष्ठ कार्यकर्ता की तरह अपनी भूमिका निभा रहे हैं। राजनीतिक विचारधारा में आइडियोलॉजी को लेकर कोई दुविधा नहीं हैं।

हमारी सफलता से दुश्मन बौखलाए हैं

सीएम ने कहा- हमारी राजनीतिक यात्रा जनसंघ के जमाने से शुरू हुई थी। उस यात्रा के आधार पर हमने सफलता के परचम लहराए हैं। हमारी सफलता से दुश्मन बौखलाए हुए हैं। दुश्मनों के हालात आज उनके लिए तो करो या मरो के समान हैं। इसलिए वो सारे नाटक कर रहे हैं। जिसके आधार पर उनको लगता है कि वो मूल उद्देश्य की प्राप्ति कर लेंगे।

हमारे दुश्मन रावण की तरह आते हैं

सीएम ने कहा- आज हमारे राज्य में और कई सारे राज्यों में चुनाव की कोई बेला नहीं हैं। ऐसे में हम अपनी बात बहुत शिष्टता से करें। लेकिन दुश्मन बहुत चालाक है। वो भगवान राम के समय से माता सीता का अपहरण करने साधु के वेश में आता है। वो उसी नाटक से आज भी बाहर नहीं आ रहे। इसलिए, आज भी वो संविधान की किताब दिखाते हुए। उन्होंने सौ-सौ बार संविधान का संशोधन करते हुए अपना चरित्र दिखाया।

चुनाव आयोग ने दमदारी से जवाब दिया

सीएम ने कहा कि आज कांग्रेस न्यायालय की बात करती है, लेकिन न्यायालय की धज्जियां उड़ाने का इतिहास भी कांग्रेस का ही रहा है। लोकतंत्र में सबसे बड़ी विश्वसनीयता चुनाव आयोग की होती है, लेकिन कांग्रेस उसके खिलाफ जिस तरह की भाषा इस्तेमाल कर रही है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मैं चुनाव आयोग का धन्यवाद करता हूं कि आजादी के बाद पहली बार चुनाव आयोग ने मजबूती और दमदारी से अपनी बात रखी है। चुनाव आयोग की यही भूमिका होनी चाहिए- सही को सही और गलत को गलत कहना। विपक्ष ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग पक्षपात कर रहा है, लेकिन आयोग ने स्पष्ट कर दिया कि वह न पक्ष में है, न विपक्ष में, बल्कि निष्पक्ष है। आयोग ने कहा कि सभी पंजीकृत दल हमारे लिए बराबर हैं।

खतरे को देख रेत में सिर घुसा लेते हैं

सीएम ने कहा- न्यायालय की परंपरा के आधार पर देश गौरवान्वित हुआ था, जब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री होते हुए पद का दुरुपयोग कैसे कर सकती हैं। इसके खिलाफ वो सच्चाई सामने लाए। और ये शुतुरमुर्ग की तरह आने वाले खतरे को देखकर अपनी मुंडी रेत में घुसाकर जनता को बेवकूफ बनाने वाले लोग हैं। शुतुरमुर्ग का यह तरीका रहता है जब वह खतरे का सामना नहीं कर पाता है तो रेत में अपना सिर घुसा कर सोचता है कि खतरा टल गया।

राम के नाम पर देश में दंगे कराने का पाप

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने अपने एक-एक फैसले से देश का नुकसान किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यही वे लोग हैं, जिन्होंने भगवान राम के मुद्दे पर देश में दंगे कराए। इन्हीं के कारण तीन तलाक की प्रथा बनी रही, जिसने मुस्लिम बहनों की जिंदगी को नरक बना दिया। आजादी के बाद धारा 370 लगाने के चलते 40 हजार निर्दोष लोगों की जान गई, जिसका पाप भी कांग्रेस के सिर पर है।

विपक्ष के लिए आने वाला वक्त और चुनौती का

सीएम ने कहा कि आज का समय वन नेशन, वन इलेक्शन का है। विपक्ष को मालूम है कि आने वाला वक्त उनके लिए और भी चुनौतीपूर्ण होने वाला है। इसी कारण वे आखिरी कोशिश करेंगे कि किसी भी तरह भाजपा के विजय रथ को रोक सकें। लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि भाजपा के कार्यकर्ता कच्ची मिट्टी के नहीं बने हैं। वे तपोनिष्ठ और समर्पित हैं। मध्यप्रदेश तो संगठन की नर्सरी है, जहां हर बूथ से मजबूत कार्यकर्ता तैयार होकर निकलते हैं। इसी संगठन और कार्यकर्ताओं की फौज के बल पर हम हर चुनौती का सामना करने में सक्षम हैं।

एअर इंडिया एक्सप्रेस विमान में तकनीकी खराबी, इमरजेंसी लैंडिंग

दिल्ली-इंदौर फ्लाइट में 161 पैसेंजर सवार थे ; 5 दिन पहले भी इंजन में लगी थी आग

इंदौर (नप्र)। दिल्ली से इंदौर आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट की शुक्रवार सुबह इंदौर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। फ्लाइट में कुल 161 यात्री सवार थे। जानकारी के अनुसार, उड़ान संख्या आईएक्स-1104 के इंजन में खराबी के चलते सुबह 09:54 बजे आपातकालीन लैंडिंग कराई गई।

इमरजेंसी लैंडिंग की खबर जब विमान में बैठे यात्रियों को लगी तो हड़कंप मच गया। एयरपोर्ट पर इंतजार कर रहे उनके परिजन भी घबरा गए।

दिल्ली से लेट रवाना हुई थी फ्लाइट- इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार, एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट (आईएक्स-1104) सुबह 6.40 बजे दिल्ली से रवाना होकर 8.15 बजे इंदौर पहुंचती है। लेकिन आज सुबह दिल्ली से 8.28 बजे रवाना

हुई। फ्लाइट जब इंदौर पहुंच रही थी तभी इसके बाएं इंजन में तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने तुरंत इसकी जानकारी इंदौर एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की घोषणा करते हुए अलर्ट जारी किया। इस पर फ्लाइट को लैंड करने के लिए रनवे के आसपास रेस्क्यू टीम, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस सहित सभी संबंधित टीमें तैनात कर दी गईं।

इंजीनियरिंग टीम कर रही विमान की जांच- पायलट ने सूझबूझ के साथ विमान को 9.51 बजे सुरक्षित लैंड कराया। विमान फिलहाल रनवे-02 पर खड़ा है। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि इंजीनियरिंग टीम विमान की जांच कर रही है। सुधार कार्य जारी है।

कौशलजी क्लासिक भी हैं और कलाकार भी : विजय बहादुर सिंह

जगदीश कौशल जी को मैंने अपने मित्र और लेखक रमेश दवे जी के मार्फत जाना, बाद में स्वतंत्र ढंग से जाना और उनके निकट होता चला गया। पहला कारण तो यह कि कौशल जी का छायाकार मेरे प्रिय कवियों और लेखकों के संसार का प्रेमी था और है और ऐसे ऐसे क्षणों को ऐतिहासिक और कालजयी बना दिया था आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य विरासत के रूप में काम करता रहेगा। पर इससे भी अधिक इसलिए और भी जाना कि वे इसे एक रसिक की तरह जीने की कोशिश कर रहे थे, बगैर किसी व्यावसायिक प्रयोजन के कह सकता हूं ठीक स्वान्तः सुखाय वाले मूड की तरह. यह किसी भी कलाकार की बुनियादी पहचान है कि जिस क्षेत्र में वह सक्रिय है, उसमें उसका अपना सुख आधारभूत है या नहीं। कौशल जी वस्तुतः यही हैं, वे क्लासिक भी हैं और कलाजीवी भी।

उनके प्रति मेरे आकर्षण का दूसरा कारण जीवन के प्रति उनके गहरे आत्मविश्वास और दृष्टि को लेकर है। सच तो यह कि जीने की उनके पास इतनी भंगिमाएँ हैं जो साथ रहने वालों को आत्मविश्वास से भरने का काम करती हैं। अभी तीन चार पहले ही जब मैंने उन्हें याद दिलाया कि आप बानबे के तो हो गए तो उन्होंने वैदिक पुरखों की तरह आत्मविश्वास से भर कर कहा- सौ तो पूरा करके ही जाऊँगा। मुझे याद आए पितामह भीष्म जिन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान मिला हुआ था। इतनी उम्र में ऐसी जीवंत सक्रियता एक ऐसे उदाहरण के तौर पर है जो जानने वालों की लिए प्रेरक है। उनके चेहरे मोहरे को देखकर जब हम उनकी अभिभूतकारी जिजीविषा का साक्षात्कार करते हैं तो हमारी खुद की जीने की थकती हुई इच्छा भी और और जीने की ललक से भर उठती है। यह एक ऐसी दृष्टि है जो उल्लासपूर्ण और आशावादी रही है। वैदिक ऋषियों की जीवेम शरदःशतम् की याद किसे नहीं होगी। वैसे तो इतनी उम्र से पहले ही संन्यास लेने को सुझाया गया है पर कौशल जी यह सिखाते हैं कि गृहस्थ का सत्य और उसका वैभव भी कोई कम मूल्यवान नहीं है। कभी कभी मैं उनके स्वभाव के रहस्यों को समझने की कोशिश में इस सत्य तक पहुँचता हूँ कि संसार का वैविध्य और उसमें रमने की मुक्तकला ही सबसे बड़ा जीवन सौंदर्य है। कौशल जी इस रूप में एक जीते जागते जीवन संदेश की तरह हैं। मेरी शत शत शुभकामनायें।

जानलेवा बारिश; नीमच में बोलेरो बही, कालीसिंध में कार गिरी

भाजपा नेता का बेटा लापता, इटारसी में दादा-पोता डूबे, गर्भवती को नाव से अस्पताल पहुंचाया

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में बारिश का दौर जारी है। राजगढ़ के सारंगपुर में शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे कालीसिंध नदी के पुल से एक कार नीचे गिर गई। इसमें सारंगपुर जनपद पंचायत सदस्य और बीजेपी नेता महेश सोनी का बेटा विशाल सोनी (26) सवार था। रेस्क्यू टीमें उसे तलाश रही हैं।

उज्जैन में खाचरोद के नन्दयासी गांव में भी पुलिया पार करते समय एक कार बागेड़ी नदी में बह गई। कार सवार को ग्रामीणों ने बचाया। श्योपुर में कूनो नदी उफान पर है। दिमरछा गांव की एक महिला को डिलीवरी के लिए पुलिस की मदद से नाव से रेस्क्यू कर अस्पताल भिजवाया गया।

उधर, नीमच जिले के रतनगढ़ में स्वास्थ्य विभाग के अफसरों की

गाड़ी पानी के बीच फंस गई। दरअसल, गुरुवार शाम गुंजाली नदी का पानी पुल के ऊपर आ गया था। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग रतनगढ़ के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. राजेश मीणा, डॉ. मोहन मुजाल्दे और उनका ड्राइवर बोलेरो से नदी पार कर रहे थे।

गाड़ी तेज बहाव में फंसकर बहने लगी। फिर खजूर के पेड़ से टकराकर रुक गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तीनों लोगों को बचाया। इटारसी की सुखतवा नदी में डूबे दादा-पोते के शव शुक्रवार दोपहर मिले हैं। दोनों गुरुवार दोपहर को नदी में नहाने गए थे।

आगर मालवा में कुंडालिया बांध के 8 गेट। रायसेन में हलाली डैम के 3 गेट। उमरिया में जोहिला डैम का एक गेट।

चूहों से मासूमों की मौत भाजपा सरकार का अपराध

अब नौटंकी जांच और खोखले वादे नहीं चलेंगे: मुकेश नायक

भोपाल। इंदौर के महाराजा यशवंतराव (एमवाय) अस्पताल में दो नवजात शिशुओं की चूहों के काटने से मौत ने प्रदेश ही नहीं पूरे देश को झकझोर दिया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष श्री मुकेश नायक ने कहा कि यह कोई दुर्घटना नहीं बल्कि भाजपा सरकार की भ्रष्ट व्यवस्था, आपराधिक लापरवाही और अमानवीयता का नतीजा है।

भाजपा का पाप उजागर- 2014 में हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट में बताया गया कि एमवाय अस्पताल में चूहों, दीमक और कॉकरोच की वजह से मरीजों में संक्रमण फैला। 2015 में शवगृह (मॉर्चुरी) में चूहों ने एक मृत नवजात का सिर कुतर डाला। 2021 में नवजात के पैरों को चूहों ने काट लिया। 2023 में सरकार ने पेस्ट कंट्रोल का ठेका निजी कंपनी को दिया, लेकिन कंपनी ने काम अधूरा छोड़ा और अब बिना काम किए 11 करोड़ रुपए देने की तैयारी है। 2025 में दो मासूम नवजातों की मौत हुई और सच्चाई छिपाने के लिए कलेक्टर तक ने झूठ बोला कि मौत हृदय रोग से हुई है।

मौत पर झूठ फैलाने की साजिश- श्री नायक ने कहा कि प्रशासन ने मौत का सच दबाने की कोशिश की। बिना पोस्टमार्ट्म रिपोर्ट के ही झूठा कारण बताया गया। यही नहीं, जांच के दौरान कमेटी के सामने अस्पताल के कॉरिडोर में चूहे खुलेआम दौड़ते नज़र आए और वॉर्ड के बाहर कुर्सियों पर कॉकरोच देखे गए।

श्री राहुल गांधी का बयान- नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी ने इस घटना को 'सीधी-सीधी हत्या' बताया। उन्होंने कहा कि एक मां की गोद से उसका बच्चा सिर्फ इसलिए छिन गया क्योंकि सरकार अपनी बुनियादी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रही। भाजपा ने हेल्थ सेक्टर को जानबूझकर प्राइवेट हाथों में सौंपा है। आज सरकारी अस्पताल गरीबों के लिए मौत के अड्डे बन चुके हैं।

नौटंकी जांच और खोखले वादे

अब सरकार पीडियाट्रिक यूनिट अपग्रेड करने की बात कर रही है। सवाल यह है कि जब वर्षों से चूहों और संक्रमण की शिकायतें आती रहीं, तब क्यों कार्रवाई नहीं हुई? हर बार मासूमों की जान जाने के बाद ही सरकार क्यों जागती है? क्या गरीबों के बच्चों की मौत भाजपा के लिए केवल फाइलों और कमेटियों का विषय है?

इसी बीच, सिंगरौली जिले के भरसेड़ी करवाही गांव की बैगा समाज की महिला को न जननी एक्सप्रेस मिली, न एंबुलेंस। बारिश में कच्ची सड़क पर प्रसव हुआ और जच्चा-बच्चा की हालत नाजुक बनी रही।

संतोष चौबे के ताजा कहानी संग्रह 'गरीबनवाज' का लोकार्पण

भोपाल। साहित्यकार निदेशक विश्व रंग एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे के ताजा कहानी संग्रह 'ग़रीबनवाज़' का लोकार्पण एवं पुस्तक चर्चा का आयोजन साहित्य अकादमी, दिल्ली के सभागार में समारोह पूर्वक किया गया। आयोजन वनमाली सृजन पीठ दिल्ली एवं राजकमल प्रकाशन समूह, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। 'ग़रीबनवाज़' का लोकार्पण सुप्रसिद्ध कथाकार ममता कालिया के आत्मीय सान्निध्य में और वरिष्ठ रचनाकार जानकी प्रसाद शर्मा की अध्यक्षता में अतिथियों ने किया।

इस अवसर पर संतोष चौबे ने अपने ताजा कहानी संग्रह से 'ग़रीबनवाज़' कहानी का बेहतरीन पाठ किया। उन्होंने कहा कि मेरी कहानियों का मुख्य आधार उनमें दृश्यात्मकता और इंटेनसिटी का होना हैं।

सुप्रतिष्ठित कथाकार ममता कालिया ने कहा कि कथाकार संतोष चौबे सामाजिक सरोकारों और मानवता की पक्षधरता के प्रति काफी सजग है। लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार जानकीप्रसाद शर्मा ने कहा कि संतोष चौबे की कहानियों की सबसे बड़ी विशेषता है उनकी असाधारण पठनीयता का होना। कार्यक्रम में वरिष्ठ आलोचक-संपादक अखिलेश ने कहा कि संतोष चौबे की कहानी यथार्थ की गहनता और व्याप्ति में जाकर सत्य को आख्यान में रूपांतरित करने का जतन करती है। वरिष्ठ आलोचक विनोद तिवारी ने कहा कि इस संग्रह की खूबसूरती यह हैं कि जब कभी लंबी कहानियों का इतिहास बनेगा तो इन्हें जरूर रेखांकित किया जाएगा। वरिष्ठ कथाकार अल्पना मिश्र ने कहा कि इतने तेज गति से भागते समय में आत्मीय माहौल रचते हुए संतोष जी की कहानियाँ धीरे-धीरे से चलती है और अचानक से विचार एक केन्द्रीय बिंदु के रूप में हमारे समक्ष आ जाता है।युवा कथाकार आशुतोष ने कहा कि संतोष चौबे जी कहानियों का आरंभ कौतूहल के साथ करते हैं और अंत भी कौतूहल के साथ करते हैं। उनकी कहानियाँ लेखकीय नियंत्रण में रहती हैं।

लोकार्पण समारोह में स्वागत उद्बोधन वरिष्ठ कवि एवं वनमाली सृजन पीठ, दिल्ली के अध्यक्ष श्री लीलाधर मंडलोई ने दिया। अतिथियों का स्वागत वनमाली सृजन पीठ की राष्ट्रीय संयोजक एवं आईसेक्ट पब्लिकेशन की प्रबंधक सुश्री ज्योति रघुवंशी ने किया लोकार्पण समारोह का संचालन युवा रचनाकार प्रांजल धर ने किया। प्रारंभिक संचालन युवा कथाकार एवं वनमाली कथा के संपादक श्री कुणाल सिंह द्वारा किया गया। आभार राजकमल प्रकाशन समूह के अशोक माहेश्वरी व्यक्त किया।